संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 114
पृष्ठ 8
रविवार
11 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बरसात में नहीं लेना चाहते हैं रिस्क...
विचार- सत्य का अंतिम सत्य संकल्प, साहस...
खेल- पहले वनडे के लिए कैसी होगी...

योगी की चेतावनी

बंटोगे तो सर्वनाश हो जाएगा

● बांग्लादेश पर इनका मुंह बंद, जैसे फेविकोल लगा है, संगम में 3 डुबकी भी लगाई

● समाज को तोड़ने वालों को पनपने न दें साधु-संत- योगी

प्रयागराज (संवाददाता)। धर्मनिर्पेक्षता के नाम का ठेका लेकर चलने वाले लोग जिन्होंने हिंदू समाज को तोड़ने में पूरी ताकत दी, उनके मुंह बांग्लादेश के नाम पर बंद हैं। ऐसा लगता है कि उनके मुंह पर किसी ने फेवीकोल या टेप लगा दिया है। विपक्ष पर हमलावर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को माघ मेला स्थित खाक चौक केशिविर में आयोजित जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज के 726वें प्राकट्य उत्सव में यह बातें कहीं।

रामानांदाचार्य जी महाराज के मूल मंत्र 'जात–पात पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होई' को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति व धर्म के आधार पर विभाजन उसी तरह सर्वनाश का कारण बन जाएगा, जैसा कि बांग्लादेश में हो रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि मत व संप्रदाय के आधार पर मत बंटो। भगवान रामानंदाचार्य जी हैं जिन्होंने एक नहीं द्वादश शिष्य बनाए और अलग–अलग जाति के बनाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आज भी देखते हैं कि रामानंदाचार्य परंपरा से निकलीं अलग–अलग धाराएं समाज को अब भी जोड़ने का काम करती हैं। उन्होंने साधु–संतों से कहा कि यह आपका दायित्व है कि बांटने व तोड़ने वालों को कभी पनपने न दें। कमजोर करने वालों को किसी भी स्थिति में आगे नहीं बढ़ने देना है। अगर हम एकजुट होकर ऐसे ही आगे बढ़ते रहे तो आने वाला समय सनातन धर्म का हो जाएगा। तब बांग्लादेश में कोई निरीह व दलित हिंदू को काटने का काम नहीं कर पाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो लोग आज भी आपको बांट रहे हैं वे आपके हितैषी नहीं हो सकते। जब सत्ता में थे तो स्वयं अपने परिवार के बारे में सोचते थे। उससे बाहर उनकी दृष्टि नहीं थी। ये नारे देंगे, स्लोगन देंगे लेकिन जब भी मौका मिलेगा, यह वही करंगे जो पहले किया था। पहचान का संकट होगा, दंगों की आड़ में लोगों को झुलसाने का काम करेंगे। हमें इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी देनी चाहिए। कार्यक्रम में परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, श्री बाघंबरी पीठ और श्री बड़े हनुमान मंदिर के महंत बलवीर गिरि जी महाराज, सतुआ बाबा पीठ काशी के पीठाधीश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, निर्मोही अखाड़े के राजेंद्र दास जी समेत कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद प्रवीण पटेल, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, हर्षवर्धन बाजपेयी, दीपक पटेल, केपी सिंह, पीयूष रंजन निषाद, गुरु प्रसाद मौर्य, डॉ. वाचस्पति, पूर्व सांसद विनोद सोनकर समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी रामानंदाचार्य ने काफी समय प्रयागराज में व्यतीत किया था। पता चला है कि दारागंज इलाके में कहीं पर उनका स्थान रहा है।

जयपुर में शाह ने 9000 कॉन्स्टेबल को नियुक्ति पत्र दिए, बोले

इनको सिफारिश नहीं, योग्यता से नियुक्ति मिली

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जयपुर में 9000 नव नियुक्त कॉन्स्टेबल को नियुक्ति पत्र दिए। राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने राम राम से भाषण की शुरुआत की।

उन्होंने कहा– आज 9000 कॉन्स्टेबलों को किसी सिफारिश नहीं अपनी योग्यता से नियुक्ति मिली है। कोई राज्य तभी आगे आ सकता है जब नियुक्ति पारदर्शिता से की हो। भजनलाल ने कांग्रेस सरकार का पेपर लीक का सिलसिला खत्म कर उससे निजात दिलाई है। इस दौरान चूरू के रतन नगर पुलिस थाने को सर्वश्रेष्ठ थाने का पुरस्कार मिला। इससे पहले जोधपुर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा– माहेश्वरी समाज जॉब सीकर नहीं रहा, जॉब क्रिएटर रहा है। ऐसे ही सदियों तक यह समाज देश की सेवा करता रहे। राम मंदिर पर पुस्तक लिख रहा युवक मेरे पास आया। मैंने उससे पूछा कि तुम्हारे पास क्या जानकारी है? उसने बताया कि आजादी के बाद राम मंदिर के लिए सबसे पहले प्राणों की आहूति देने वाले दोनों भाई माहेश्वरी समाज से थे। अमित शाह ने कहा कि देश के सांस्कृति पुनर्जागरण में भी माहेश्वरी समाज का योगदान बहुत बड़ा है। माहेश्वरी समाज के हाथ में तलवार भी अच्छी लगती है, तराजू भी। समाज के दिए हुए भामाशाहों की सूची बनाएंगे तो कई पेज भर जाएंगे। शनिवार को शाह पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में चल रहे माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा– देश को हर क्षेत्र में सर्वप्रथम लाने के लिए तीन चीजें जरूरी हैं जिन्हें माहेश्वरी समाज कर सकता है।

दौसा जिले में 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध शराब जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में पुलिस ने अवैध शराब का बड़ा जखीरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार पकड़ी गई शराब की कीमत 1.5 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम एन के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। एजीटीएफ और दौसा सदर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक संदिग्ध ट्रक की तलाशी में शराब का यह जखीरा बरामद किया गया। इस ट्रक में 415 चावल के कट्टे लदे थे और नीचे पंजाब मार्का शराब छिपाई हुई थी। तलाशी में रॉयल चौलेंज, रॉयल स्टैग और मैकडॉवेल्स जैसे ब्रांड की शराब की 1071 पेटी कार्टन बरामद हुई। इस संबंध में बाड़मेर निवासी दिनेश जाट को गिरफ्तार किया गया है। ट्रक व 60 हजार रुपये की नकदी जब्त की गई है। पुलिस ने बताया कि यह अवैध शराब हरियाणा के सिरसा से गुजरात ले जाई जा रही थी।

शालीमार बाग में महिला की गोली मारकर हत्या

नयी दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर–पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग में शनिवार को एक महिला की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि यह घटना महिला के पति की हत्या के लंबे समय से लंबित मामले से जुड़ी हो सकती है, जिसमें कुछ आरोपी अब भी फरार हैं। उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान रचना यादव के रूप में हुई है, जिनके पति की कुछ साल पहले हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार, महिला अपने पति की हत्या के मामले की लगातार जानकारी ले रही थी और न्याय के लिए प्रयासरत थी। उन्होंने बताया कि महिला के पति की हत्या के मामले में नामजद कुछ संदिग्ध अब भी फरार हैं और इन लोगों को ही रचना की हत्या का मुख्य संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमलावरों को पकड़ने के लिए कई टीम का गठन किया गया है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच–पड़ताल करने के साथ ही स्थानीय निवासियों से पूछताछ कर रही है।

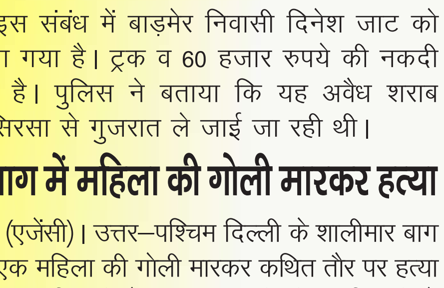

एकनाथ शिंदे ने साधा उद्धव-राज पर निशाना, कहा- ब्रांड से प्रभावित नहीं होते लोग

मुम्बई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि अब मतदाता तथाकथित "ब्रांड" नेताओं से प्रभावित नहीं होते, बल्कि उन नेताओं का साथ देते हैं जो विकास करते हैं। ठाणे जिले में होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए शुक्रवार को एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना नेता शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार सक्रिय और प्रभावी ढंग से काम कर रही है, न कि ऐसी सरकार की तरह जो बार–बार कामकाज स्थगित करती रहती हो। उन्होंने कहा, "आने वाले कल्याण–डोंबिवली नगर निगम चुनाव में मतदाता राजनीतिक ब्रांडिंग से आगे बढ़कर काम और विकास को समर्थन देंगे।"

देश का बदला लेना होगा, एनएसए अजीत डोभाल ने क्यों कही ये बात? बोले

हमने नहीं तोड़े किसी के मंदिर..

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल शनिवार को शविकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉगश (वीबीवाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अजीत डोभाल ने युवाओं से संवाद किया। डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा।

एनएसए डोभाल ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा, श्मेरा कार्यक्षेत्र अलग है, मेरा अनुभव अलग है, और युवाओं के साथ उम्र का बहुत बड़ा अंतर है। आपमें से अधिकांश मुझसे 60 वर्ष से अधिक छोटे हैं, इसलिए मैं थोड़ा असमंजस में था कि आऊं या नहीं। मेरा जन्म स्वतंत्र भारत में नहीं, बल्कि स्वतंत्रता–पूर्व भारत में हुआ था। मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी है।

अजीत डोभाल ने कहा, श्आज इतना कुछ बदल गया है कि मुझे सब कुछ पता नहीं है। लेकिन एक बात समान है, चाहे आप इसे महसूस करें या न करें – एक छोटी सी बात जो आपके जीवन की दिशा तय करती हैरू निर्णय लेने की क्षमता। आप सभी हर दिन छोटे–बड़े फैसले लेते हैं, और जैसे–जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपको हर कदम पर फैसले लेने होंगे। भारत विकसित होगा, यह निश्चित है।

उन्होंने कहा, श्दुनिया भर में चल रहे सभी संघर्ष और युद्ध इसलिए हैं क्योंकि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं और इसके लिए अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अगर आप शक्तिशाली हैं, तो आप स्वतंत्र रहेंगे। अगर आत्मविश्वास नहीं है, तो सारी शक्ति और हथियार बेकार हैं। आज हमारे देश में ऐसा नेतृत्व होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उनकी प्रतिबद्धता, समर्पण और कड़ी मेहनत हम सभी के लिए प्रेरणा है। जैसा कि नेपोलियन ने एक बार कहा था कि मैं एक भेड़ के नेतृत्व में 1000 शेरों से नहीं डरता, बल्कि एक शेर के नेतृत्व में 1000 भेड़ों से डरता हूं।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में अजीत डोभाल ने कहा, श्आप सभी उस भारत को देखेंगे जिसकी हम कल्पना कर रहे हैं। लेकिन भारत के साथ ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। जब जापान का उदय हो रहा था, तब पश्चिम में इस बात पर चर्चा शुरू हुई कि क्या कोई एशियाई देश पश्चिम से आगे निकल सकता है।

विपक्ष को डराने का औजार बनी एजेंसी : कपिल सिब्बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई को लेकर राज्य से लेकर देशभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। इसी बीच इस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को अचानक दस्तावेजों की याद आ जाती है और इसका मकसद सिर्फ विपक्षी नेताओं को परेशान करना होता है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती, वहां ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को परेशान करने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि कोई भी जांच एजेंसी किसी दफ्तर में जाकर सभी फाइलें कैसे ले जा सकती है। अगर कोयला घोटाले की जांच करनी है तो उससे जुड़ी फाइलें लें, लेकिन हर फाइल ले जाना किस अधिकार में है? किसी भी जांच एजेंसी को ऐसा करने का हक नहीं है। कपिल सिब्बल ने ईडी को एक सर्वव्यापी एजेंसी की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कानून लागू करना नहीं, बल्कि विपक्षी नेताओं को डराना और परेशान करना है। उन्होंने केंद्र और राज्य के बीच बढ़ते टकराव का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में राज्य और केंद्र के बीच जानबूझकर विवाद पैदा किया जा रहा है।

मोदी सरकार का पूर्व-सैनिकों को बड़ा तोहफा, वित्तीय सहायता में हुई 100 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय (MoD) ने शनिवार को कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए घोषित वित्तीय सहायता में 100 प्रतिशत की वृद्धि पूरी तरह से लागू कर दी गई है। बढ़ी हुई सहायता पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से कार्यान्वित योजनाओं के तहत प्रदान की जा रही है। रक्षा मंत्रालय ने आगे कहा कि यह निर्णय पूर्व सैनिकों की सेवा और बलिदान का सम्मान करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। रक्षा मंत्रालय ने ग पर एक पोस्ट में कहा, पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से कार्यान्वित योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों (ईएसएम) और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में 100 फीसदी की वृद्धि, पूर्व सैनिकों की सेवा और बलिदान का सम्मान करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। इससे पहले अक्टूबर 2025 में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों (ईएसएम) के लिए वित्तीय सहायता में 100 फीसदी की वृद्धि को मंजूरी दी थी। मंत्रालय के अनुसार, गरीबी अनुदान को प्रति लाभार्थी प्रति माह 4,000 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये कर दिया गया है।

भाजपा, उसके सहयोगी असम की तीनों राज्यसभा सीट पर चुनाव लड़ेंगे : हिमंत

गुवाहटी (एजेंसी)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दल असम में इस साल अप्रैल में रिक्त होने जा रही राज्यसभा की तीनों सीट पर चुनाव लड़ेंगे। शर्मा ने दावा किया कि दो सीट पर उनके उम्मीदवारों की जीत पक्की है, जबकि तीसरी सीट भी उनके खाते में जा सकती है। भाजपा के दो सांसद, भुवनेश्वर कलिता और रामेश्वर तेली तथा एक निर्दलीय सांसद अजीत भुयान का कार्यकाल अप्रैल में पूरा होने जा रहा है। शर्मा ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "भाजपा, अगप (असम गण परिषद) और हमारा संयुक्त मोर्चा तीनों सीट पर उम्मीदवार उतारेगा।

कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान 2026

हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं में यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान को प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 - 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2026 तक भेजें। 2023, 2024, 2025 तक की रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएँ पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि 1 फरवरी 2026 है।

पता–'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए.अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

त्रिपुर सुंदरी एक्सप्रेस जंक्शन पर एक घंटे खड़ी रही, खराब एसी कोच को बदला गया

प्रयागराज। अगरतला से फिरोजपुर कैंट जाने वाली त्रिपुर सुंदरी एक्सप्रेस के एसी 2 कोच की स्प्रिंग खराब होने से प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन आगमन के बाद I2 कोच काटा गया। उसके स्थान पर यहां एक नया कोच लगाया गया। अगरतला से

फिरोजपुर कैंट जाने वाली त्रिपुर सुंदरी एक्सप्रेस के एसी 2 कोच की स्प्रिंग खराब होने से प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन आगमन के बाद I2 कोच काटा गया। उसके स्थान पर यहां एक नया कोच लगाया गया। इस दौरान जंक्शन पर अनाउंसमेंट किया गया कि जो यात्री I2 कोच में बैठे हैं। वह बाहर उतर आएं। इस दौरान ट्रेन एक घंटे तक जंक्शन पर खड़ी रही।

सरायममरेज पुलिस ने दो शातिर चोर दबोचे, चोरी की बाइक समेत बैटरी-इन्वर्टर इनवर्टर व नकदी बरामद

प्रयागराज। सरायममरेज पुलिस ने बृहस्पतिवार को दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, बैटरी, इन्वर्टर, वजन करने वाला कांटा और 1860 रुपये नकद बरामद किए हैं। सरायममरेज क्षेत्र के कटरा छतौना स्थित एक किराना दुकान का ताला तोड़कर तीन दिन पहले करीब 4,500 रुपये नकद व अन्य सामान बदमाश उठा ले गए थे। इसके अलावा कटेहरी गांव स्थित पंचायत भवन का ताला

तोड़कर बैटरी, इन्वर्टर और वजन करने वाला कांटा चुरा ले गए थे। इन घटनाओं के संबंध में थाने में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसी क्रम में सराय ममरेज पुलिस ने शुक्रवार को दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। एसओ सरायममरेज अतुल मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. लतीफ पुत्र नन्हे उर्फ मो. याकूब और मो. यासीन पुत्र मो. रजा निवासी ग्राम छतौना कटरा थाना सरायममरेज के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से चोरी की बिना नंबर प्लेट की एक बाइक, 1860 रुपये नकद, एक बैटरी, एक इन्वर्टर और एक वजन करने वाला कांटा बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार अभियुक्त मो. लतीफ के खिलाफ सरायममरेज थाने में चोरी और सेंधमारी से जुड़े आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं, जबकि मो. यासीन भी कई चोरी के मामलों में नामजद रहा है। दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आरा मशीन के लाइसेंस नवीनीकरण पर लगाई रोक, जांच के लिए समिति गठित

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के मंडोर गांव में संचालित एक आरा मशीन के लाइसेंस नवीनीकरण पर प्रशासन ने रोक लगा दी है। वन संरक्षक तुलसीदास ने मशीन संचालन, एनओसी एवं कार्य स्थल परिवर्तन की जांच के आदेश दिए हैं। बलरामपुर निवासी इदरीश बरेठी, मंडोर गांव में आरा मशीन चलाते हैं। इसी गांव के अजय कुमार विश्वकर्मा ने उच्चाधिकारियों से शिकायत की है कि आवासीय भूमि पर अवैध रूप से आरा मशीन का संचालन किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। उनकी शिकायत पर कार्यवाही करते हुए लाइसेंस नवीनीकरण पर रोक लगाते हुए मामले की जांच हेतु कमेटी गठित की गई है।

नकली सोना देने और लूटपाट करने का आरोपी चढ़ा मेजा पुलिस के हत्थे

प्रयागराज। नकली सोना देने और लूटपाट करने के मामले में शुक्रवार को मेजा पुलिस ने कुंवरपट्टी बाग से एक आरोपी को धर दबोचा है। उसके पास से पांच सिक्कानुमा पीली धातु (नकली सोना), एक मोबाइल फोन और 17 सौ रुपये बरामद किए गए हैं। मेजा इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष नौ अप्रैल को उरुवा ओवरब्रिज के पास अंदावा थाना सरायइनायत के अनूप कुमार का बैग छीनकर पांच बदमाश फरार हो गए थे। मामले में एफआईआर दर्ज की गई। मेजा इंस्पेक्टर ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर शुक्रवार को मेजा के कुंवरपट्टी बाग में घेराबंदी की गई और गोरेलाल निवासी कंवरिया नेवढ़िया को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि बीते नौ अप्रैल को उरुवा ओवरब्रिज के पास सरायइनायत के अनूप कुमार को एक किलो सोना की जगह दस किलो सोना देने का झांसा देकर बुलाया गया था। फिर उनका सोना छीनकर सभी फरार हो गए थे। शुक्रवार को भी कुंवरपट्टी बाग में एक व्यक्ति को बुलाया गया था लेकिन तब तक पुलिस आ गई। आरोपी गोरेलाल ने बताया कि पहले लोगों को फोन पर जानकारी दी जाती है कि एक किलो सोने की जगह 10 किलो सोना दिया जाएगा। इसी झांसे में लेकर वह अपने अन्य साथियों के साथ वारदात को अंजाम देता था।

डीएम ने एसआरएन अस्पताल में बेहतर साफ सफाई के लिए दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने एसआरएन चिकित्सालय में सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराए जाने, कार्यप्रणाली में सुधार लाए जाने एवं मरीजों, तीमारदारों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो, इसके लिए शुक्रवार देर रात एसआरएन अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने माघ मेला के दृष्टिगत बनाए गए स्पेशल वार्ड, बर्न यूनिट, इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी, जन औषधि केंद्र, फ्री दवा वितरण केंद्र सहित सभी वार्डों का गहन निरीक्षण कर चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति एवं मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं को देखा।

फर्जी तरीके से 15 हजार बांग्लादेशी के रहने की आशंका पर धूमनगंज, करेली में छापेमारी, मचा हड़कंप

प्रयागराज। जिले में फर्जी तरीके से 15,000 से ज्यादा बांग्लादेशी के रहने की आशंका पर शुक्रवार को धूमनगंज के हरवारा और करेली के मुर्गा दरबार की बस्तियों में छापेमारी की गई। लखनऊ से आई टीम के साथ स्थानीय पुलिस के पहुंचने पर पहचान पत्र मांगे गए तो कुछ लोग भाग निकले।

जिले में फर्जी तरीके से 15,000 से ज्यादा बांग्लादेशी के रहने की आशंका पर शुक्रवार को धूमनगंज के हरवारा और करेली के मुर्गा दरबार की बस्तियों में छापेमारी की गई। लखनऊ से आई टीम के साथ स्थानीय पुलिस के पहुंचने पर पहचान पत्र मांगे गए तो कुछ लोग भाग निकले।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की जांच के लिए पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. सूर्यकुमार के नेतृत्व में टीम बनाई गई है। टीम प्रदेश के अलग-अलग जिलों में छानबीन कर रही है। इनपुट के आधार पर शुक्रवार सुबह टीम स्थानीय पुलिस के साथ धूमनगंज के हरवारा और करेली के मुर्गा दरबार की बस्तियों में पहुंची। यहां पूछताछ के बाद 25 से ज्यादा लोगों के आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज जांचे गए।

वहीं, पहचान पत्र मांगने पर कई लोग भाग निकले। इसके बांग्लादेशी होने की संभावना व्यक्त की गई है, हालांकि जांच में किसी के बांग्लादेशी होने की पुष्टि नहीं हुई है।

संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत सूचित करें

पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. सूर्यकुमार ने आशंका जताई है कि जिले में करीब 10 से 15 हजार घुसपैठी बांग्लादेशी हो सकते हैं, इसलिए सभी झुग्गी-झोपड़ियों में सत्यापन किया जा रहा है। ज्यादातर बांग्लादेशी कूड़ा उठाने, कपड़ा बेचने, मजदूरी करने, कबाड़ बेचने का काम करते हैं। ये लोग अधिकतर अपना ठिकाना रेलवे लाइन के किनारे या फिर नहर और तालाब के पास बनाते हैं। लोगों से अपील है कि अगर कोई संदिग्ध गतिविधि में दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

एसआईआर से दस्तावेज का सत्यापन

टीम को आशंका है कि कई लोगों ने यहां पर बसने के लिए फर्जी आधार कार्ड या फिर अन्य पहचान पत्र बनवाए होंगे, इसलिए सभी के आधार कार्ड को संबंधित जिलों में भेजकर जांच करवाई की जाएगी। वहीं, एसआईआर के माध्यम से भी दस्तावेज का सत्यापन किया जाएगा। डॉ. सूर्यकुमार ने बताया कि प्रयागराज के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़, मेरठ, लखनऊ, बरेली समेत अन्य शहरों में बांग्लादेशी ने अपना ठिकाना बनाया है।

फूलपुर फायरिंग कांड के आरोपी मुठभेड़ में दबोचे गए, एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल

प्रयागराज। फूलपुर कस्बा जमीलाबाद में युवक पर फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। थाना फूलपुर पुलिस और एसओजी-सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त टीम से हुई मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

फूलपुर कस्बा जमीलाबाद में युवक पर फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। थाना फूलपुर पुलिस और एसओजी/सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त टीम से हुई मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। दोनों आरोपी फायरिंग की घटना में वांछित चल रहे थे।

पुलिस के अनुसार, शनिवार तड़के करीब 4रू45 बजे थाना फूलपुर क्षेत्र के ग्राम बौड़ई मोड़, नहर किनारे हाईटेंशन लाइन के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वे भागने लगे। पीछा करने पर खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग

शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई, जबकि दूसरा मौके से दबोच लिया गया।

घायल बदमाश ने अपना नाम आजम राइन पुत्र स्व. हफीजउल्ला, निवासी जमीलाबाद कस्बा फूलपुर बताया, जबकि दूसरे की पहचान मो. सुहैल पुत्र मो. इकबाल, निवासी ग्राम सराय अब्दुल मलिक, थाना फूलपुर के रूप में हुई। दोनों आरोपी थाना फूलपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 012/2026 में वांछित थे।

फूलपुर कस्बे के जमीलाबाद में की थी फायरिंग

7 जनवरी की शाम जमीलाबाद कस्बे में शनि सोनी नामक युवक के साथ मारपीट कर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई थी। पीड़ित की तहरीर पर थाना फूलपुर में आजम राइन सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। तभी से आरोपी फरार चल रहे थे।

अवैध हथियार, बम और बाइक बरामद

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा, चार देशी बम, घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर बाइक और 1200 रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामदगी के आधार पर मामले में आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं।

आरोपियों का आपराधिक इतिहास

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार अभियुक्त आजम राइन पर पहले से धोखाधड़ी, मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जबकि मो. सुहैल भी हालिया मामलों में नामजद रहा है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देश, अपर पुलिस आयुक्त व पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण तथा एसीपी फूलपुर विवेक यादव के नेतृत्व में फूलपुर पुलिस और एसओजी/सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त टीम ने की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

फूलपुर में युवक की बेरहमी से हत्या, सिर कूंचकर नहर किनारे फेंका शव

प्रयागराज। कोतवाली फूलपुर क्षेत्र में शुक्रवार रात 22 वर्षीय युवक की नृशंस हत्या कर शव नहर किनारे फेंक देने से इलाके में सनसनी फैल गई। शनिवार सुबह शारदा सहायक नहर के पास युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

कोतवाली फूलपुर क्षेत्र में शुक्रवार रात 22 वर्षीय युवक की नृशंस हत्या कर शव नहर किनारे फेंक देने से इलाके में सनसनी फैल गई। शनिवार सुबह शारदा सहायक नहर के पास युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया युवक की सिर कूंचकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

मृतक की पहचान दीपक कुमार (22) पुत्र छोटेलाल, निवासी परासिनपुर गांव, कोतवाली फूलपुर के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक दीपक शुक्रवार शाम करीब 5रू30 बजे घर से यह कहकर निकला था कि दोस्त बुला रहे हैं, चाय पीकर लौट आएगा।

देर रात तक वापस न आने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कहीं कोई जानकारी नहीं मिल सकी। शनिवार सुबह गांव के ही शारदा सहायक नहर के दक्षिण दिशा में स्थित पुराने तालाब परिसर में ग्रामीणों ने युवक का शव पड़ा देखा। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जुट गई और गांव में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर कोतवाली फूलपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को शव के चेहरे और सिर पर गहरे चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या बेहद निर्ममता से किए जाने की बात सामने आ रही है।

घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। दीपक तीन भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटा था। उसके पिता किसान हैं और दीपक ट्रैक्टर चलाकर परिवार का सहारा बना हुआ था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसीपी फूलपुर विवेक यादव का कहना है कि घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और युवक के दोस्तों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। हत्या किन कारणों से की गई, इसका पता लगाने के लिए हर पहलू पर जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस मुठभेड़ स्थल से कुछ ही दूरी पर हुई हत्या

जिस स्थान पर परासिनपुर गांव के युवक दीपक कुमार का शव मिला है, उससे कुछ ही दूरी पर हाल ही में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई थी। नहर के दूसरी ओर मुठभेड़ स्थल होने के कारण ग्रामीणों के बीच कई तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस इस तथ्य को भी जांच के दायरे में लेकर पड़ताल कर रही है।

रानीपुर टाइगर रिजर्व में छोड़ गया तेंदुआ

प्रयागराज। झूंसी के छिबैयां गांव से पकड़े गए तेंदुआ को चित्रकूट के मानिकपुर रेंज स्थित रानीपुर टाइगर रिजर्व में छोड़ दिया गया है। शुक्रवार सुबह स्वास्थ्य परीक्षण के बाद वन विभाग की टीम तेंदुए को प्रयागराज से लेकर रवाना हुई थी। डीएफओ अरविंद यादव ने बताया कि डॉ. नासिर ने छिबैयां गांव से पकड़े गए तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसमें वह पूरी तरह से स्वस्थ मिला। आला अधिकारियों के निर्देश पर तेंदुए को रानीपुर टाइगर रिजर्व में छोड़ दिया गया है।

जल्द शुरू होगी मलावां बिजली उपकेंद्र से बिजली आपूर्ति

प्रयागराज। महाकुंभ से पहले गंगापार के नगर निगम के सीमा विस्तारित वार्ड मलावां में नौ करोड़ से तैयार किया गया 33II बिजली उपकेंद्र इस महीने के अंत तक संचालित हो जाएगा। पांच एमवीए के इस बिजली उपकेंद्र से विस्तारित क्षेत्र के गांवों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति की जाएगी। गंगापार के झूंसी मलावां में पांच एमवीए के ट्रांसफॉर्मर से नगर निगम सीमा क्षेत्र के 22 व ग्रामीण क्षेत्र के एक दर्जन गांवों में बिजली की आपूर्ति किए जाने की बात कही गई थी। साथ ही 33 हजार केवी लाइन को उपकेंद्र तक पहुंचाने का कार्य भी पूरा कर लिया गया।11 केवी के तीन नए फीडर भी बनाए गए। महाकुंभ मेले के बाद एलटी लाइन का कार्य पूरा होते ही उपकेंद्र से बिजली सप्लाई की योजना थी लेकिन आपूर्ति नहीं शुरू हो सकी। अब माघ मेला में जनवरी के अंत तक आपूर्ति बहाल करने की योजना बनाई गई है। बिजली उपकेंद्र में तैनात अवर अभियंता इंद्रेश यादव ने बताया कि विभाग के अफसरों से बातचीत चल रही है। उम्मीद है कि जनवरी के अंत तक आपूर्ति सुचारू हो जाएगी।

इन गांवों में होनी है विद्युत आपूर्ति

झूंसी-सहसों मार्ग पर मलावां में तैयार किए गए बिजली उपकेंद्र से मलावां खुर्द, मलावां बुजुर्ग, ईसीपुर, सुल्तानपुर, परैयापुर, बरियारी, रामापुर, अमरसापुर, कसेरुआ कला, कसेरूआ खुर्द, हसनपुर, रहिमापुर, हसनपुर, शेख अहमदपुर और सहसों बाजार समेत कई 30 से ज्यादा गांवों में बिजली की आपूर्ति होनी है। अवर अभियंता इंद्रेश ने बताया कि उपकेंद्र से नगर निगम के गांवों में शहरी तर्ज पर निर्बाध बिजली की आपूर्ति की जाएगी। शहरी आधार पर बिजली के बिल का टैरिफ भी लागू होगा। इसके साथ ही नगर निगम के गांवों में उपकेंद्र से आपूर्ति होने पर पुराने उपकेंद्र का भी लोड कम जाएगा।

किशोरी ने फेरीवाले पर लगाया दुष्कर्म आरोप, पुलिस ने पकड़ा

प्रयागराज। थाना क्षेत्र नवाबगंज निवासी एक किशोरी ने पड़ोस में फेरी का काम करने वाले युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को पकड़कर न्यायालय में पेश किया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया। कानपुर के थाना मंगलपुर अंतर्गत हीरा का पूरा निवासी नरेंद्र सिंह नवाबगंज के एक गांव में किराये के मकान में रहकर फेरी का काम करता है। पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में किशोरी ने आरोप लगाया कि करीब दो साल पहले आरोपी युवक उसकी जान-पहचान हुई। आरोप है कि युवक ने किशोरी को प्रेमजाल में फंसा लिया और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। कुछ दिन पहले वह कानपुर चला गया और मोबाइल बंद कर लिया। इसके बाद दोनों के बीच अनबन हो गई और आरोपी ने शादी करने से इन्कार कर दिया। जिसके बाद परिजन संग पीड़िता बृहस्पतिवार की शाम थाना नवाबगंज पहुंची और तहरीर दी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए आरोपी नरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर नवाबगंज राघवेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी पर विधिक कार्रवाई कर कोर्ट में प्रस्तुत किया गया। वहां से उसे जेल भेजा गया है। वहीं, किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।

खिताबी मुकाबले में भदोही को दो रन से मिली जीत

प्रयागराज। धनूपुर ब्लॉक के डांडी में क्रिकेट प्रतियोगिता में ख्योंखर भदोही की टीम फाइनल मुकाबले में दो रन से जीत दर्ज की। डीसीबी क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में डेढ़ दर्जन टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच ख्योंखर भदोही और वनपुरवा धनूपुर टीम के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ख्योंखर की टीम ने निर्धारित पांच ओवर में चार विकेट खोकर 58 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वनपुरवा की टीम सिर्फ 56 रन ही बना पाई। विजेता और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को जिला पंचायत सदस्य बबिता बिंद व समाजसेवी नंदलाल बिंद ने शील्ड एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कॉमेंटेटर की भूमिका अनिल कुमार व शमशाद ने निभाई। आयोजक संतलाल बिंद, मुलायम बिंद ने आभार जताया। इस मौके पर अंकित, गणेश, संजय कुमार, राकेश, हनुमान, चंद्रेश, धीरेंद्र, वीरेंद्र, शिवशंकर, अंकुश, नीरज मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरांयपीथा धनूपुर में बृहस्पतिवार को नसबंदी का ऑपरेशन कराने गई महिला की अचानक तबीयत खराब हो गई। सीएचसी के डॉक्टरों ने उसे एसआरएन रेफर कर दिया। अस्पताल पहुंचने पर महिला को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार की शाम पांच बजे पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर सीएचसी पहुंच गए और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पर विधायक हंडिया समेत अन्य अफसर मौके पहुंचे और परिजनों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद परिजन शव लेकर हटे। हंडिया थाना क्षेत्र के करारी भदैली गांव निवासी नंदलाल बिना की बेटी रीना (28) की शादी भदोही के थाना सुरियावां के गांव बिसौली कृपालपुर निवासी जयशंकर बिंद के साथ हुई थी। दंपती को तीन बच्चे शिवांश (14), आदित्य (7) और सौरभ (तीन माह) हैं। नसबंदी का ऑपरेशन कराने के लिए वह मायके आई हुई थी। बृहस्पतिवार को सीएचसी सरांयपीथा धनूपुर आयोजित नसबंदी कैंप में रीना पहुंची थी। डॉक्टरों के मुताबिक, ऑपरेशन के पहले ही उसकी अचानक तबीयत खराब होने लगी। हालत बिगड़ी तो उसे एसआरएन रेफर किया गय। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर सीएचसी पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने जमकर हंगामा किया। उसका शव लेकर परिजन सीएचसी पहुंचकर परिसर में डॉक्टरों की लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजे की मांग करके हंगामा करने लगे। सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी हंडिया रावेंद्र कुमार सिंह, एसीपी हंडिया शेषधर पांडेय और कोतवाल निर्तेंद्र कुमार शुक्ला भी मौके पर पहुंच गए। हंगामा होता देख अफसर लोगों को समझाने की कोशिश करने लगे। लेकिन, परिजन अपनी मांगों पर अड़े रहे। विधायक हंडिया हाकिमलाल बिंद ने अधिकारियों और पीड़ित परिवार से बात की। परिजनों को तीन लाख की आर्थिक मदद और बच्चों की देखरेख के लिए प्राथमिकता से सरकारी सहायता देने का आश्वासन दिया। इसके बाद मृतका के परिजन शांत हुए। विधायक ने कहा कि सरकार से मिलने वाली सुविधाओं को भी परिजनों को दिलाया जाएगा। उपजिलाधिकारी हंडिया रावेंद्र कुमार सिंह कहा कि सरकारी मानक के अनुरूप पीड़ित परिवार की पूरी मदद की जाएगी। वहीं, सीएचसी अधीक्षक डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि महिला को ऑपरेशन थियेटर ले जाने के पहले ही घबराहट होने लगी और वह जमीन पर गिर पड़ी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे एसआरएन रेफर किया गया था।

व्यापार मंडल की नगर कमेटी ने भाजपा वरिष्ठ नेता व चेयरमैन पति को कराया नगरपालिका की समस्याओं से अवगत

प्रतापगढ़। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की नगर कमेटी ने भाजपा नेता गौरव स्वरूप के साथ शहर व मण्डी के व्यापारियो की नगर पालिका से संबंधित समस्याओं के बारे मे अवगत कराया और शहर को स्वच्छ सुन्दर बनाने व पर्यावरण से संबंधित सुझाव दिये गोरव स्वरूप ने व्यापारियो की समस्या सुनकर उनकी परेशानियों को तत्काल सज्ञान लेते हुए दुर किया जिसमे रुड़की रोड से घास मंडी की और जा रहे नाले के बंद होंना व्यापारियों द्वारा बताया गया एवम मेरठ रोड पर अम्बा

विहार की एक टूटी सड़क, नई मंडी की गौशाला रोड के पास की एक सड़क के अलावा ओर भी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान दे उनका निस्तारण हेतु आवश्यक कदम उठाए गए । साथ ही गौरव स्वरूप ने कहा हम सब मिलकर नगर को स्वच्छ एवम सुंदर बनाने के लिए आपसी सामंजस्य से प्रयास करेंगे इसअवसर पर नगर प्रभारी अंशुमान अग्रवाल नगर अध्यक्ष जयपाल शर्मा नगर महामंत्री नीरज बंसल नगर कोषाध्यक्ष अमित राय जैन व जिला युवा अध्यक्ष डॉ पुनीत सिंगल व नगर उपाध्यक्ष अविरल मित्तल एडवोकेट विपीन मित्तल, सुभाष मित्तल, तारिख भाई, मनोज शर्मा, संदीप गर्ग आदि मौजूद रहे।

फिल्म अभिनेता एवं निर्माता निर्देशक संजय कुमार शर्मा दलित-मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

सहारनपुर। दलित-मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध ने आज अपने निवास स्थान ग्राम पंचायत रनियालादयालपुर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते जानकारी दी गई है कि फिल्मी दुनिया की जानी-मानी हस्ती मशहूर फिल्म अभिनेता एवं फिल्म निर्माता निर्देशक तथा दलित-मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय सचिव संजय कुमार शर्मा की मंच के प्रति सक्रियता एवं मेहनत को देखते हुए मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध ने मंच के राष्ट्रीय सचिव फिल्म अभिनेता एवं फिल्म निर्माता निर्देशक संजय कुमार शर्मा को संगठन में प्रमोट करने का फ़ैसला लेते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से दलित-मुस्लिम एकता मंच मे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया जाता है और नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय कुमार शर्मा से आशा की जाती है कि जिस प्रकार से राष्ट्रीय सचिव पद पर रहते हुए दलित-मुस्लिम एकता मंच के लिए पूर्णतः समर्पित भाव से कार्य करने का काम किया है और आगे भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर कार्यरत रहकर दलित-मुस्लिम एकता मंच को महाराष्ट्र में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में एक नया आयाम स्थापित कराने में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने के लिए संघर्ष करेंगे और दलित-मुस्लिम एकता मंच का समस्त परिवार नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय कुमार शर्मा के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

मेरठ में होगा समाज सेवार्थ विशाल वैश्य युवक युवती परिचय सम्मेलन

मेरठ। मेरठ मे 22 फरवरी में होगा विशाल वैश्य युवक युवती सम्मेलन जिसमें आयोजक मण्डल श्री अग्रसेन वैश्य अग्रवाल सभा मेरठ के पदाधिकारी 2 माह से लगातार प्रोग्राम की तैयारी में लगे हैं आज नई मंडी मे इस प्रोग्राम के प्रभारी व अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कंसल जी के निवास स्थान पर ये जानकारी मेरठ से पधारे आयोजक मण्डल के अध्यक्ष सर्वेश नन्दन गर्ग जी व महामंत्री अमन गुप्ता जी ने तथा राजीव मित्तल जी, संजय अग्रवाल जी, प्रवीण शर्मा ने दी कि इस प्रोग्राम में मुजफ्फरनगर की टीम बढ़ चढ़ कर सहयोग करती है, सोहन लाल गर्ग,अनिल कंसल जी ने बताया की गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी शहर में अनेकों स्थानों पर परिचय सम्मेलन के फार्मों की प्राप्ति के लिए व्यापारीयों की दुकानों पर फार्म उपलब्ध कराए गए हैं, और अनेकों जगह पर होल्डिंग फ्लैक्स व कैलेंडर लगा कर वैश्य समाज को परिचय सम्मेलन की जानकारी देने का प्रयास किया गया है जिसमें मुख्यरूप से नई मंडी पटेल नगर मे अनिल कंसल, चौड़ी गली पर रघुबीर सिंह गुप्ता किताबों वाले, पीठ बाजार मे व आदर्श कालोनी आलोक गर्ग बिजली वाले ,पीठ बाजार में डॉक्टर कमल गुप्ता होम्योपैथिक वाले, कमल किशोर चीनी वाले वकील रोड़ पर एसपी मार्किट, सिंघल ज्वैलर्स चौड़ी गली चौराहा, सिंघल मेडिकल स्टोर गौशाला रोड़ नई मंडी, नरेन्द्र मित्तल भोपा रोड़ पुल के बराबर मे व लोहिया बाजार, डॉक्टर अशोक बालाजी रोड़ देवी मंदिर के सामने,आशीष सिंघल आदर्श कॉलोनी मोबाइल वाले,राजीव सिंघल पंसारी एटूजैड रोड़,राजीव गुप्ता अमर रेवड़ी भण्डार अंसारी रोड़, ऋषभ सिद्धबली स्वीट्स, संजय अनपूर्णा स्वीट्स, कुलदीप मित्तल स्वास्तिक मोबाइल आर्यपुरी, मालवीय चौक अखिलेश गुप्ता सन्तोष ब्रादर्स सिनेटरी वाले एवम पवन बुक्स स्टोर, आर्यसमाज रोड़ अनिल तायल इंसोरेंस वाले नियर सिद्धार्थ कालोनी,आशीष गोयल सिद्धि विनायक फ्लैक्स वाले नई मंडी, राजकुमार गुप्ता बाला जी मेडिकल वकील रोड़, अनुराग सिंघल लोकप्रिय कलेक्शन, अमित मित्तल कम्बल वाला बाग, सदर बाजार बागेश अग्रवाल नेवी मेडिकल स्टोर, प्रमोद गोयल होजरी वाले नियर डॉक्टर हरडेश, पूजा स्वीट्स कृष्णापुरी नवीन केबिल वाले कृष्णापुरी आदि अनेकों स्थानों से आप फार्म ले सकते हैं, वहीं पर सभी वैश्य समाज के आगुंतकों के नाश्ते खाने की व्यवस्था समाज द्वारा निशुल्क की गई है। फॉर्म भरने के आखरी तारीख 31 जनवरी है।अनिल कंसल जी के निवास 690 पटेल नगर नई मंडी से भी आप फॉर्म ले सकते हैं, मोबाइल नम्बर 9837015631 पर अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क कर सकते हैं।

वैश्विक भाषाई संगम में हिन्दी के बोल- विश्व हिन्दी दिवस

प्रयागराज। विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारत और लेटरेरी क्लब (इलाहाबादी साहित्यिक अड्डा) द्वारा विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया जिसमें विश्व जनचेतन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ. राहुल शुक्ला और लेटरेरी क्लब के सचिव डॉ. प्रदीप चित्रांशी मुख्य वक्ता रहेविश्व हिन्दी दिवस 2026 : संदेश

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय अस्मिता और वैश्विक संवाद की सशक्त सेतु है।

विश्व हिन्दी दिवस 2026 के पावन अवसर पर, विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में मैं समस्त देशवासियों एवं हिन्दी-प्रेमियों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

हिन्दी वह भाषा है जो लोक से लोक तक, जन-जन की भावना से जुड़कर विचार, संवेदना और संस्कार का संचार करती है। आज जब विश्व एक वैश्विक ग्राम बन चुका है, ऐसे समय में हिन्दी ने अपनी सरलता, समृद्ध साहित्यिक परंपरा और भावनात्मक गहराई के कारण अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है।

विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारत की प्रस्तावना के अनुरूप हमारा विश्वास है किकृ भाषा, साहित्य और संस्कृति किसी भी समाज की चेतना का मूल आधार होते हैं। इसी चेतना को जाग्रत करना, साहित्यकारों, रचनाकारों, युवाओं और समाज के हर वर्ग को हिन्दी से जोड़ना तथा मानवीय मूल्यों, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक राष्ट्रबोध को सुदृढ़ करना हमारे संगठन का प्रमुख उद्देश्य है।

ट्रस्ट निरंतर हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार, साहित्यिक गतिविधियों, सांस्कृतिक आयोजनों और सामाजिक चेतना से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से हिन्दी को जन-आंदोलन का स्वरूप देने हेतु संकल्पित है। हम मानते हैं कि हिन्दी में सोच, हिन्दी में संवाद और हिन्दी में सृजन ही सशक्त भारत की आधारशिला है।

आइए, विश्व हिन्दी दिवस पर हम सब यह संकल्प लें किकृ

हिन्दी का सम्मान केवल दिवस विशेष तक सीमित न रहे, अपने व्यवहार, कार्यक्षेत्र और डिजिटल माध्यमों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें,

नई पीढ़ी को हिन्दी भाषा,

साहित्य और संस्कृति से जोड़ें।

हिन्दी है तो पहचान है,
हिन्दी है तो स्वाभिमान है।
इन्हीं भावनाओं के साथ,
मैं एक बार पुनः सभी को विश्व हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ देता हूँ।
जय हिन्दी, जय भारत।
कृ डॉ. राहुल शुक्ल 'साहिल'
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारतविश्व हिन्दी दिवस रू शुभकामना संदेश

हिन्दी केवल हमारी अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि हमारी आत्मा की भाषा है।

हमारा दृढ़ विश्वास है कि जब मीडिया हिन्दी में ईमानदारी, संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ संवाद करता है, तब समाज में जागरूकता, एकता और मूल्यबोध का व्यापक विस्तार होता है। यही कारण है कि विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारत हिन्दी के माध्यम से रचनात्मक पत्रकारिता, साहित्यिक अभिव्यक्ति एवं सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करने हेतु सतत प्रतिबद्ध है।

आइए, इस विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर हम यह संकल्प लें किकृ

☐ मीडिया, साहित्य और सामाजिक संवाद में हिन्दी को प्राथमिकता देंगे,

☐ युवा पीढ़ी को हिन्दी के प्रति गर्व, सम्मान और आत्मीयता से जोड़ेंगे,

☐ भाषा के माध्यम से राष्ट्र, संस्कृति और मानवता की सेवा करेंगे।

हिन्दी से ही चेतना है,
हिन्दी से ही संवेदना है।
इन्हीं शुभ भावनाओं के साथ,
आप सभी को विश्व हिन्दी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।
कृ साकिब सिद्दीकी 'बादल'
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारतभारत, भाषाओं का एक कुम्भ है जिसमें अमृत की तरह कई भाषाएँ विद्यमान है। जो सामूहिक चेतना और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए शक्तिशाली प्रतीक है तथा मानव को मानव से जोड़कर जीवन के उच्च उद्देश्य के लिए प्रेरित करती हैं। इस अमृत अमृत भरे कुम्भ में अनेक विदेशी भाषाएँ समय -समय अपनी चेतना को जाग्रत करने के लिए प्रवेश करती रहती हैं। इन्हीं भाषाओं में अंग्रेजी भाषा भी इस है। इस भाषा ने अन्य भाषाओं पर अपना प्रभुत्व जमाकर भाषाओं की दुनिया में अपना राज्य स्थापित करने की दिशा में बढ़ने लगी लेकिन वह यह भूल गई कि भारत सूफी -संतो ने जैसे सूफियों को स्वीकार किया है, वैसे ही इसे स्वीकार कर वैसे ही ऐसे ऐसे स्वीकार कर और स्वयं हिंदी के रूप में संपर्क भाषा बन लोगों की जुबान बन गई।

भारतवासियों की जुबान बनने की यात्रा 14 सितंबर सन 1949 को संविधान सभा से शुरू हुई जहां इसे देवनागरी लिपि हिंदी के रूप में स्वीकारा गया तथा 1953 में इसके प्रचार प्रसार हेतु पहली बार 14 सितंबर में हिंदी दिवस के रूप में मनाया गया। देश में इसकी स्वीकार्यता बढ़ी लेकिन वैश्विक स्तर पर कैसे ले जाएँ जिससे वहाँ के भाषण कुंभ में इसका भी संगम रहे। इस कार्य को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में महाराष्ट्र के नागपुर शहर में विश्व हिंदी सम्मेलन के जरिए नींव की पहली ईंट रखी। इसी क्रम में 1947 में पंडित अटल बिहारी वाजपेई ने संयुक्त राष्ट्र संघ में आयोजित कार्यक्रम में भाषण देकर इसे आगे बढ़ने का काम किया 10 जनवरी 2006 में मनमोहन सिंह जी ने इसे प्रति वर्ष मनाने का फैसला लिया। उनके इस फैसले में भाषाई कुंभ में गंगा जमुना के संगम पर जिस तरह का पानी दिखता है इस तरह से वैश्विक स्तर पर हिंदी अन्य भाषाओं के साथ दिखने लगी वैश्विक भाषाई संगम में हिंदी के ज्ञान का प्रकाश एक शक्तिशाली प्रतीक बनकर भाषा के उद्देश्य को पूर्ण करता रहे इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्व हिंदी दिवस प्रतिवर्ष मानते हैं।

डॉ. प्रदीप कुमार चित्रांशी

है यह गेंदा फूल

(कुण्डलिया)

हिंदी जिसको कह रही, है यह गेंदा फूल।
कन्नड़ 'चेन्डूहूवश कह, करती उसे कबूल।
करती उसे कबूल,गन्धपुष्पक कह संस्कृत।
भरती मधुर सुगन्ध,सदा जग को कर झंकृत।
सुन लो कहें प्रदीप, हजारा कहते सिन्धी।
गलगोटा गुजरात, बताती सबको हिन्दी।।

अंग्रेजी में कह रहे, जिसको मेरीगोल्ड।
चीनी 'गुल्तेराश कहें, बात बहुत है ओल्ड।
बात बहुत है ओल्ड, फ्रेंच में 'सोसीश कहते।
जर्मन में सब कह रहे, इसे 'रिंगेलब्लूमेश।
सुन लो कहें प्रदीप, नाम रख गेंदा देशी।
स्पेनिश कैलेंडुला, कहे, कहता अंग्रेजी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राष्ट्रीय रामायण मेला प्रयाग में प्रेम कुमार सम्मानित

प्रतापगढ़। जनपद के वरिष्ठ कवि-कथाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी को अखिल भारतीय रामायण मेला समिति प्रयाग के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय रामायण मेला प्रयाग 2025 के अंतर्गत आयोजित कवि सम्मेलन में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया स प्रयागराज के मेयर गणेश केसरवानी अध्यक्षता कर रहे देवी प्रसाद मिश्र वेदांती इंटरनेशनल माउसटैच डांसर आर.

के.तिवारी (दुकानजी) तथा बालकृष्ण पांडे द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया स समिति द्वारा आयोजित श्री रामचरितमानस विषयक बच्चों की अंत्याक्षरी प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका का गुरुतर दायित्व अमेठी के डॉ. अर्जुन पांडेय सुल्तानपुर के हरिनाथ शुक्ल के साथ ही प्रेम कुमार त्रिपाठी को सौंपा गया स ज्ञात हो कि इस राष्ट्रीय रामायण मेला की स्थापना वर्ष 1995 में लोक भूषण डॉ0 महेश प्रताप नारायण अवस्थी द्वारा की गई थी, जिसे अब उनकी सुपुत्री डॉ रंजना मिश्रा एवं महामंत्री शम्भु नाथ त्रिपाठी श्अंशुलश एक समिति के माध्यम से निरंतर आयोजित कर रहे हैं स रामायण मेले से लौटने पर जनपदवासियों ने प्रेम कुमार की धमाकेदार प्रस्तुति एवं प्रशस्तिपत्र मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उत्तर मध्य रेलवे के 138वें प्रबंधन विकास कार्यक्रम का आयोजन 'बनारस रेल इंजन कारख़ाना, वाराणसी में हुआ आयोजन'

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा प्राविधिक प्रशिक्षण केंद्र (ज्ज्), बनारस रेल इंजन कारख़ाना, वाराणसी में दिनांक 05.01.2026 से 09.01.2026 तक 138वें प्रबंधन विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 05.01.2026 को श्री अतुल कुमार मिश्रा, उप महाप्रबंधक/सामान्य एवं श्री अंकुर चंद्रा, मुख्य सतर्कता अधिकारी, बीएलडब्लू वाराणसी , प्रधानाचार्य प्राविधिक प्रशिक्षण केंद्र बनारस रेल इंजन कारखाना वाराणसी के कर कमलों द्वारा किया गया तत्पश्चात श्री अंकुर चंद्रा मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा सतर्कता विषय पर भावपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया गया इसी क्रम में श्री आर के गुप्ता, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, बीएलडब्लू, वाराणसी द्वारा कार्मिक प्रबंधन, श्री अरुण कुमार मौर्य, उप मुख्य सामाग्री प्रबन्धक, मुख्यालय, प्रयागराज द्वारा भंडार प्रबंधन, श्री राम जनम चौबे, मुख्य संरक्षा अधिकारी, बीएलडब्लू, वाराणसी द्वारा कार्य नैतिकता एवं आपदा प्रबंधन, श्री मन्नू प्रकाश दुबे, अपर महाप्रबंधक, क्थ्ब्ब्ऱ् प्रयागराज द्वारा नेतृत्व क्षमता, डा अमित मालवीय, वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी, प्रयागराज द्वारा भीड़ प्रबंधन, श्री एस के हंडु, चिकित्सा निदेशक, केंद्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज द्वारा स्वास्थ्य प्रबंधन, श्री मनोज कुमार गुप्ता, मुख्य विद्युत सेवा इंजीनियर, बीएलडब्लू, वाराणसी द्वारा ऊर्जा संरक्षण, श्री अनुज कुमार, उप मुख्य लेखाधिकारी, बीएलडब्लू, वाराणसी द्वारा वित्त प्रबंधन, श्री यू सी शुक्ला, वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी, प्रयागराज मण्डल द्वारा रेल संरक्षा, श्री रवीद्र कुमार राऊत, सहायक संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, मुख्यालय प्रयागराज द्वारा साइबर सुरक्षा विषय पर सार गर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम के दौरान व्याख्याताओं द्वारा कार्यालय एवं जीवनोपयोगी संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान षविकसित भारत की संकल्पना को साकार करती भारतीय रेलष विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को स्वर्ण, रजत, एवं कांस्य पदक के साथ-साथ दो सांत्वना पुरस्कार नगद राशि के साथ प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन समारोह दिनांक 09.01.2026 को आयोजित किया गया, जिसमें श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र तथा स्मृति के रूप में सभी प्रतिभागियों को समूह फोटोग्राफ प्रदान किया गया।138वां प्रबंधन विकास कार्यक्रम श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के मार्गदर्शन तथा श्री अतुल कुमार मिश्रा, उप महाप्रबंधक/सा एवं श्री सुनील कुमार गुप्त, सहायक उप महाप्रबंधक, प्रयागराज के नेतृत्व में एवं मुख्य कार्य अध्ययन निरीक्षक श्री पुष्पेंद्र सिंह, एवं कार्य अध्ययन निरीक्षक श्री दिवाकर गुप्ता के कुशल प्रबंधन में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, प्रयागराज, झांसी एवं आगरा मण्डल तथा कारखाना, झाँसी, ग्वालियर एवं सिथौली के पर्यवेक्षकों ने भाग लिया और सभी प्रतिभागियों द्वारा कार्यक्रम की सराहना एवं प्रशंसा की गई और भविष्य में भी इस कार्यक्रम को आयोजित किए जाने पर जोर दिया गया।

जन सुनवाई में आई शिकायत पर हुलासगढ़ पहुँचे लोकपाल

मनरेगा द्वारा चल रहे संपर्क मार्ग का किया निरीक्षण, काम मिला बन्द/साइट पर न मजदूर मिले न मेट, ग्रामीणों की समस्या सुनी समाधान का दिया सम्बन्धित को निर्देश

प्रतापगढ। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई व संवाद में शुक्रवार को बाबागंज ब्लाक के डीह बलई ग्राम पंचायत के अधिवक्ता कोमल मिश्र के संयोजन में एक समूह ने प्रतिभाग कर राजस्व ग्राम हुलासगढ़ में बन रहे संपर्क मार्ग के खानापूर्ति व बिना काम के ही गलत हाजिरी के अनियमितता की शिकायत की। मामले की गंभीरता के दृष्टि गत लोकपाल जनसुनवाई के बाद सीधे हुलासगढ़ गाँव पहुँच कर मनरेगा द्वारा बन रहे संपर्क मार्ग के मरम्मत कार्य का जायजा लिया और ग्राम में भ्रमण ग्रामीणों की समस्या सुनी और संबंधितो को आवश्यक निर्देश दिया गया। लोकपाल समाज शेखर शुक्रवार की शाम 4 बजकर 50 मिनट पर गाँव पहुँचे वहाँ सीधे मुख्य मार्ग से हुलासगढ़ संपर्क मार्ग पर निर्माणाधीन कार्य का भौतिक सत्यापन हुआ।मौके पर कार्य बन्द था. मार्ग पर कुछ आधा अधूरा कार्य हुआ पाया गया। ग्रामीणों ने बताया की 7 जनवरी तक कुल 7 मजदूरों द्वारा कार्य कराया गया तब से कार्य बन्द है। जबकि मास्टर रोल में इस संपर्क मार्ग में प्रतिदिन 32 मजदूरों की हाजिरी लग रही है। लोकपाल ने संबंधित ग्राम विकास अधिकारी को अबिलम्ब पत्रावली व तकनीकी सहायक के साथ लोकपाल कार्यालय में उपस्थित होकर स्पष्टिकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। वहीं सम्बन्धित खंड विकास अधिकारी व अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी बाबागंज को ग्राम पंचायत के इस कार्य की तकनीकी जांच अपने देखरेख में कराके एक सप्ताह के भीतर आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। कार्य के उपरांत पुनः लोकपाल उक्त कार्य का निरीक्षण करेंगे. वहीं ग्रामीणों ने कुसहा ग्राम के तालाबों की अनियमिताता व अधूरे तालाबों के सम्बन्ध में भी लिखित शिकायत की जिस पर लोकपाल ने आस्वस्त किया कि समुचित कार्यवाही होगी।

भारत में 140 करोड़ लोग सनातनी, केवल पूजा पद्धति बदली : रितेश्वर जी महाराज

लखनऊ, संवाददाता। सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज ने भारत के 140 करोड़ लोगों को सनातनी बताया है। उन्होंने कहा है कि भारत के रहने वाले सभी लोग एक ही पूर्वज की संतान हैं, केवल उनकी पूजा पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन वह सभी सनातनी हैं। इसलिए भारत हमेशा से हिन्दू राष्ट्र रहा है। इस देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह बातें पत्रकारों के पूछे गये सवाल के जवाब में कहीं हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि भारत में रहने वाले हर शख्स को संविधान के हिसाब से रहना होगा, चाहे वो कोई बाबा ही क्यों न हो। इसके अलावा उन्होंने बीजेपी के पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह का दबादबा था, दबादबा है और दबदबा बना रहेगा विशलेषण भी किया। उन्होंने बताया कि आखिर क्या है पूर्व सांसद के दबदबे का रहस्य। दरअसल, सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज लखनऊ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में पत्रकारों से बात की और राष्ट्रकथा के महत्व पर बात की और यह क्यों जरूरी है, इसे भी बताया। उन्होंने कहा कि देवी भागवता कथा, हनुमंत कथा आदि कथा बहुत समय से चल रहीं थीं, लेकिन इस विषय पर चिंतन हुआ कि जब राष्ट्र सुरक्षित रहेगा, तो सबकुछ रहेगा। इसलिए राष्ट्र की अखण्डता, एकता और सुरक्षा के लिए राष्ट्रकथा कराने पर विचार बना। जिसका श्रेय उन्होंने पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह को दिया। उन्होंने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुये कहा कि भारत पहले से हिंदू राष्ट्र हैं, यहां रहने वाला हर भारतीय सनातनी है, सबके पूर्वज एक हैं, बस उनकी पूजा पद्धति अलग हो सकती है। उन्होंने बंगाल में बाबरी मस्जिद के निर्माण पर कहा कि मस्जिद बाबर के नाम पर नहीं पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर बननी चाहिए।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 26/64 दिनांक : 09.01.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20255010A (a. RA)	सप्लाई इंस्टालेशन टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ आई.पी - बेस्ड विडियो सर्विलांस सिस्टम फॉर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव	537 सेट	29.01.2026
2	10255033A	सप्लाई इंस्टालेशन टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ क्रीव वॉइस एंड विडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम (सीवीवीआरएस)	89 सेट	29.01.2026
3	40253377	ब्रुशलेस अल्टरनेटर 4.5 केडब्ल्यू विथआउट ईआरआरयू/आरआरयू/बी - बेल्ट ड्राइवेन	145 नग	02.02.2026
4	20253646	सेट ऑफ ड्रमर्स	20 सेट	02.02.2026
5	38251602A	37 एम एम पैकिंग फॉर हाइट एडजस्टमेंट	4956 नग	06.02.2026
6	30253025	डेस्ट्रिब्यूटर विंडो टॉप कम्प्लीट फॉर फैन्ट्रो ऑफ एलएचबी टाईप कोचेज	397 नग	10.02.2026
7	64255255	सक्शन फिल्टर, हाइड्रोलिक मोटर, वाल्व, कन्ट्रोल एंड चेक वाल्व, प्रोपोर्शनल वाल्व एंड कंन्ट्रोल.	972.00 Nos.	23-FEB-26
8	64255267	फैन ड्राइव ऑयल कूलर मोटर फॉर सीसीएम.	49.00Nos.	17-FEB-26
9	70254301ए	फिल्टर जैकेट	10992 नग	02.02.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 54/26 (D)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय........

एक बेतुका आदेश

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निर्देशों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर–शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे–बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर–शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर–शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी। खासकर तब जब आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं और रेबीज से होने वाली जीवन क्षति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में नगर निगम के आदेश की तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने पशु जन्म नियंत्रण और जन सुरक्षा उपायों को लागू करने में नगरपालिकाओं की विफलता पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद एक स्थानीय निकाय ने अपनी मूल जिम्मेदारी शिक्षकों पर थोपकर इसका जवाब दिया है। निश्चित रूप से यह अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। निर्विवाद रूप से इस बेतुके आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की जरूरत है। सही मायनों में नगरपालिका के अधिकारियों को अपना काम करना चाहिए और शिक्षकों को भी अपना काम करने की आजादी दी जानी चाहिए। यह समस्या केवल शिक्षकों की ही नहीं है बल्कि यह हमारे नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा है। ऐसे में शिक्षकों को शिक्षण कार्य के अलावा अन्यत्र काम सौंपना, कहीं न कहीं छात्रों और छात्राओं को शिक्षा पाने के अधिकार से वंचित करने जैसा भी है।

सत्य का अंतिम सत्य संकल्प, साहस, श्रम और सफलता

संजीव ठाकुर

"परंतु यह भी उतना ही सच है कि मनुष्य अपने लालच, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और स्वार्थ के कारण त्वरित लाभ पाने के लिए झूठ, छल और दिखावे का सहारा लेकर जीवन की गहराइयों में उतर जाता है, जबकि अंततः सत्य ही अंतिम विजय प्राप्त करता है।"

सत्य का अंतिम रूप साहस, श्रम और सफलता से होकर गुजरता है और यह बात पूर्णतः सही है कि सत्य परेशान किया जा सकता है पराजित नहीं, क्योंकि यदि सत्य और सच्चाई न होती तो मानव जीवन का अस्तित्व ही संभव न होताय पहाड़, झरने, नदियाँ, जंगल, पृथ्वी और प्रकृति के संतुलन से लेकर मनुष्य और अन्य जीवों तक सब कुछ प्राकृतिक सत्य की ही उपज है, परंतु यह भी उतना ही सच है कि मनुष्य अपने लालच, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और स्वार्थ के कारण त्वरित लाभ पाने के लिए झूठ, छल और दिखावे का सहारा लेकर जीवन की गहराइयों में उतर जाता है, जबकि अंततः सत्य ही अंतिम विजय प्राप्त करता है, किंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के लगभग हर क्षेत्र से दूर होती जा रही है और जब हम स्वयं भ्रम में जी रहे हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम कौन से नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य सौंप पाएंगे, यह एक गंभीर प्रश्न बन गया हैय आज के उत्तर आधुनिक समाज में उपभोक्तावादी सोच इतनी हावी हो चुकी है कि भौतिक साधनों और सुखों की प्राप्ति ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य मान ली गई है,

जिसके लिए झूठ, फरेब और साजिशें सामान्य व्यवहार बनती जा रही हैं, जबकि प्राचीन समय में समाज आत्मिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों पर आधारित था, पर विकास की बदली हुई परिभाषा ने समाज को इस मोड़ पर ला खड़ा किया है जहाँ भौतिकता सर्वोपरि हो गई है और इसके परिणामस्वरूप आपसी रिश्तों की गर्माहट, भरोसा और संवेदनशीलता तेजी से समाप्त होती जा रही हैय आज स्थिति यह है कि सत्य बोलना एक सामान्य आचरण न होकर कठिन साधना जैसा हो गया है, जबकि महात्मा गांधी ने अपने जीवन और विचारों में सत्य और अहिंसा को ही सामाजिक और नैतिक उत्थान का आधार माना था और उनका विश्वास था कि यदि व्यक्ति सत्य के प्रति निष्ठावान हो जाए तो समाज अपने आप ऊँचे स्तर तक पहुँच सकता है, क्योंकि सत्य और संयम व्यक्ति को आत्मबल, स्वाभिमान और आत्मसम्मान प्रदान करते हैं, वहीं असत्य मनुष्य को भीतर से कमजोर और अपराधबोध से ग्रस्त करता हैय कबीरदास जैसे संतों ने भी सत्य को ईश्वर के समान माना और समाज को झूठ से दूर रहने की सीख दी, क्योंकि झूठ केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे समाज को विकृत करता है और यही कारण है कि असत्य को सभी बुराइयों की जड़ माना गया है, आज भौतिक सुखों की अंधी दौड़ में पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते केवल औपचारिक बनकर रह गए हैं और मनुष्य अपनी सुविधा और सफलता के लिए बिना संकोच झूठ का सहारा ले रहा है, जिससे सामाजिक व्यवहार में असंवेदनशीलता और अविश्वास बढ़ता जा रहा हैय नैतिकता और अनैतिकता के बीच की महीन रेखा को पहचानने की क्षमता कमजोर पड़ती जा रही है और मनुष्य किसी भी साधन को सही ठहराने लगा है यदि उससे उसे लाभ मिलता हो, परिणामस्वरूप समाज में असंतुलन, विघटन और संबंधों का क्षय साफ दिखाई देता हैय इतिहास भी गवाह है कि जब–जब समाज ने सत्य और नैतिकता से दूरी बनाई है तब–तब पतन की प्रक्रिया तेज हुई है, आज जब भौतिक संपन्नता को ही सफलता का मापदंड बना लिया गया है तब मानवीय संबंध, संवेदनाएं और सामाजिक जिम्मेदारियाँ पीछे छूटती जा रही हैं और नैतिक मूल्यों की परंपरा लगभग समाप्ति की ओर है, ऐसे समय में यदि सत्य, संयम और ईमानदारी को जीवन का आधार नहीं बनाया गया तो भारतीय समाज भी धीरे–धीरे उस दिशा में बढ़ जाएगा जहाँ रिश्ते, संवेदना और मानवीय गरिमा केवल शब्दों तक सीमित रह जाते हैं, और तब हम केवल पछतावे के सिवा कुछ नहीं कर पाएंगेय आज नैतिकता दूसरों को उपदेश देने की वस्तु बन चुकी है जबकि स्वयं के आचरण में उसका अभाव दिखाई देता है, मनुष्य जो स्वयं सामाजिक व्यवस्था का निर्माता है वही अब लोभ, आलस्य और संग्रह की प्रवृत्ति में फँसकर कम मेहनत में अधिक लाभ पाने के लिए झूठ और धोखे को सामान्य मानने लगा है, जो भारतीय सामाजिक ढाँचे के लिए शुभ संकेत नहीं है और यदि समय रहते सत्य आधारित जीवन दृष्टि को नहीं अपनाया गया तो सामाजिक और मानवीय मूल्यों का क्षरण और तेज होता चला जाएगा।

संशयनिवृति : आत्मज्ञाने गीतोपदेश पावन श्रीमद्भगवद्गीता के दर्शन और सार का बोधगम्य

संशयनिवृति : आत्मज्ञाने गीतोपदेश यह पुस्तक है सुविख्यात साहित्यकार डॉ सीमा वर्णिका जी की। कानपुर की धरती से डाँ सीमा वर्णिका जी ने अपने दोहो के माध्यम से श्रीमद्भगवद्गीता के दर्शन और सार को बोधगम्य बनाने का एक सफल प्रयास किया है।श्रीमद्भगवद्गीता का सार और दर्शन आम लोगों तक सरलता और सहजता से पहुँच सके इसके लिए सीमा जी नें पावन पुस्तक श्रीमद्भगवद्गीता का गहन अध्ययन करते हुए गीता के 18 अध्यायों को क्रमानुसार रखते हुए गीता के प्रत्येक अध्याय के विशेष भावों को अपने दोहों के माध्यम से रखने का सफल प्रयास किया है। इस पुस्तक को जब मैने पढ़ा तो अत्यंत आनंद की अनुभूति हुई । मैने श्रीमद्भगवद्गीता के सार को बहुत ही सहजता से समझा। मैने देखा यह पावन पुस्तक श्रीमद्भगवद्गीता का पूर्णतया अनुवाद नहीं है क्योंकि सीमा जी के दोहों और पावन गीता के श्लोकों की संख्या में काफी अंतर हैं। सीमा जी ने इस पुस्तक के प्रत्येक अध्याय को पढ़कर उसके दर्शन के सार को और उसके मूल भाव को अपने दोहों के माध्यम से संक्षेप में प्रस्तुत किया है।

सीमा जी ने इस पुस्तक में पावन श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्यायों के समान ही क्रमानुसार 18 अध्यायों में ही विभक्त किया है जैसे – अर्जुन विषाद योग, सांख्य योग, कर्म योग, दिव्य ज्ञान योग, सन्यास योग, ध्यान योग, ज्ञान विज्ञान योग, अक्षर ब्रह्म योग, राजविद्या राजगह्य योग, विभूति योग, विश्वरूप दर्शन योग, भक्ति योग, क्षेत्र – क्षेत्रज्ञ विभाग योग, गुणत्रय योग, पुरुषोत्तम योग, दैवासुर सम्पद् विभाग, श्रद्धात्रयविभागयोग, और मोक्ष संयास योग।

जब इस महत्वपूर्ण पुस्तक को मैने पढ़ने के लिए खोला तो सर्वप्रथम सीमा जी के अपने विचारो को पढ़ने के पश्चात मैने पाया कि आपने इस पुस्तक की शुरुआत गणेश स्तुति से की है आपने गणेश स्तुति करते हुए लिखा –

श्री गणेश स्तुति

उर श्रद्धा विश्वास धर,
गणपति करूँ प्रणाम।
गीता ग्रन्थ प्रवेश में, मिले
सुखद परिणाम।।
समझे गूढ़ रहस्य सब, सहज
सरल हो राह।
प्रभु अनुकम्पा आपकी, पूर्ण
करें सब चाह।।

इसके पश्चात सीमा जी नें माँ शारदे स्तुति प्रस्तुत की। आप लिखतीं है –

माँ शारदे स्तुति

हंस वाहिनी शारदे, मति मेरी
अल्पज्ञ।
सक्षम सक्त समर्थ कर,
सृजित करें बन प्रज्ञ।।
चले लेखनी वेगमय,
भाव वर्णिका सार।
परम तत्व पथ
अनुगमन, लक्ष्य जगत
उद्गार।।

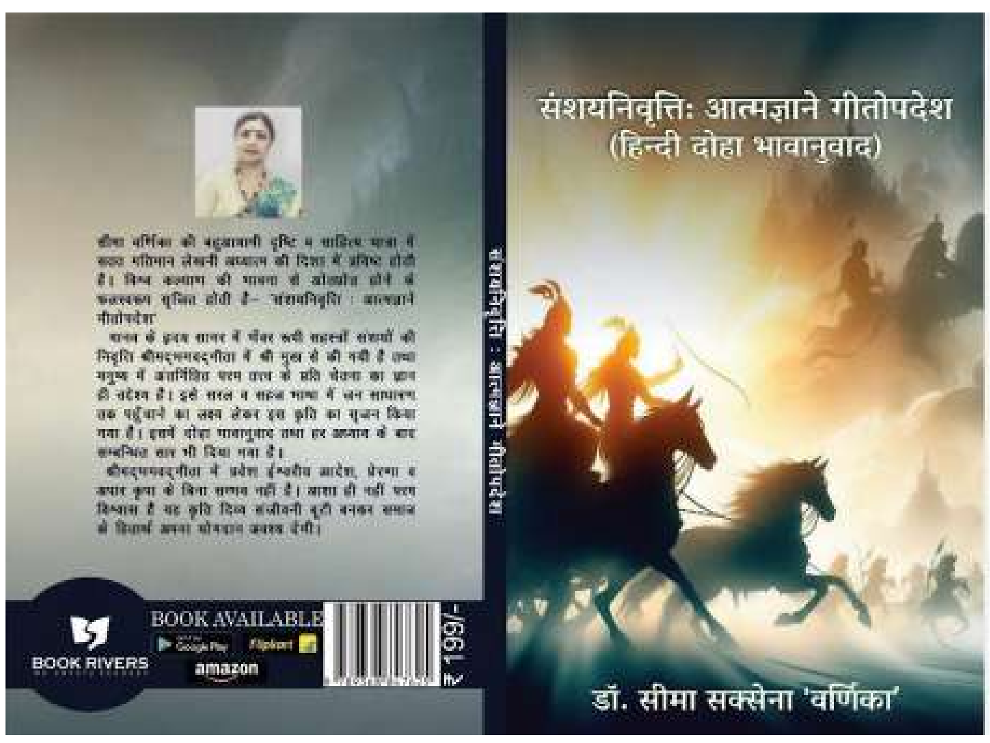

अंत में सीमा जी योगेश्वर श्री कृष्ण स्तुति करते हुए भावरूपी पुष्प प्रभु गोपाल को अर्पित करते हुए लिखा कि –

योगेश्वर श्री कृष्ण स्तुति

प्रभु मुख से बरसे अमृत,
अर्जुन भाव विभोर।
निर्विकार प्रेरित हृदय,
परम शान्ति की ओर।।
गीता ग्रन्थ महान है, गोपनीय
विज्ञान।
कृष्ण कहें पार्थ से, अद्भुत
भक्ति विज्ञान।।

इस प्रकार सीमा जी ने इस पुस्तक की शुरुआत श्री गणेश स्तुति, माँ शारदे स्तुति और श्री कृष्ण स्तुति करने के पश्चात की है। आपकी लेखनी पर माँ शारदे का ही आशीर्वाद है कि आप इस पुस्तक में पावन पुस्तक गीता के सार को बहुत सरल और सुंदर शब्दों में दोहो के माध्यम से प्रस्तुत करनें में सफल रहीं।

स्तुति के पश्चात सीमा जी ने संशयनिवृति रूआत्मज्ञाने गीतोपदेश के भाव को संक्षेप में सात दोहों के माध्यम से सर्वप्रथम प्रस्तुत किया है आप लिखती है –

श्री मुख से निरूसृत हुई,
भगवद्गीता नाम।
दिव्य वचन उपदेश में, शत
शत करें प्रणाम।।

तत्पश्चात अनुक्रमणिका मे 18 अध्यायों को रखकर गीता के सार को बहुत सुंदर ढ़ग से प्रस्तुत किया हैं।

वास्तव में सीमा जी नें इस पुस्तक के माध्यम से एक बड़ा कार्य किया है। यह पुस्तक अवश्य ही सबको पसंद आएगी ऐसा मेरा विचार है। यह पुस्तक पावन श्रीमद्भगवद्गीता के समान ही पवित्र है जिसे अवश्य ही सभी को अपने पास रखना चाहिए। मैं सीमा जी को इस महत्वपूर्ण पुस्तक के लिए बहुत बहुत बधाई देती हूँ। आपको बहुत बहुत साधूवाद

रचना सक्सेना
प्रयागराज

राष्ट्रीय युवा दिवस

प्रयत्न करो इस कौतुकता से की,सफलता से संपूर्ण भारत आनंद हो जाए।
मंजिल भी अब दूर नहीं है,जब हर युवा खुद में विवेकानंद हो जाए।।

जब सबसे अधिक युवाओं वाला राष्ट्र,अपना प्यारा वतन हिंदुस्तान है।
तो उठो,जगो,मां भारती के वीर सपूतों,तुमसे ही भारत की आन बान शान है।।

है युवा शक्ति,बल,बुद्धि और साहस जिसमें,वह विषम काल में भी अड़ जाएगा।
है शूरवीर जो अतुलित योद्धा,वह अभय अकेले ही रणभूमि में लड़ जाएगा।।

यही समय है सही समय है,अब नव्य अद्भुत कीर्तिमान करने का तुम प्रण करो।
भारत पुलकित और उत्सुक है प्यारे,अब अपने अप्रतिम शोध का तुम चित्रण करो।।

यदि अंत तक डटे रहे तुम संघर्ष पथ पर,तो यक़ीनन भविष्य निखर जाएगा।
अब कहां रुकने वाला यह सफ़र,अब तो यह सफलता के शिखर जाएगा ।।

प्रयत्न करो इस.........हर युवा विवेकानंद हो जाए।

लेखक
आशीष कुमार सैनी
पुराछात्र– इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

सिर्फ़ यादें रह गई

धारावाहिक लघु उपन्यास (भाग –23)
लेखिका –अतिया नूर

मैंने उसके दोस्त पीयूष जो कि एक भला इंसान था उसको फ़ोन किया, उसने बताया कि समीर को रिहा करवाने के लिए कुछ पैसे ख़र्च करने होंगे, इस काम के लिए शेखर ने पैसा देने से साफ़ इंकार कर दिया। मैंने समीर के रखे पैसों में से समीर को छुड़ाने के लिए पीयूष को ऑनलाइन पैसे भेजे। ऐसे समय में वह भला इंसान हमारे लिए फ़रिश्ते से कम नहीं था, उसने काफ़ी भाग दौड़ कर समीर को न केवल रिहा करवाया बल्कि उस पर लगाए गए आरोपों से भी उसे मुक्त करवाया।

समीर की रगों में नौजवानी का खून था, इस घटना ने उसे बुरी तरह हिला दिया था। उसके मन में बॉस के प्रति केवल आक्रोश ही नहीं बल्कि नफ़रत की भावना घर करती जा रही थी। वह फ़ोन पर बार – बार उनसे बदला लेने की बातें करने लगा। मैंने उसे बहुत समझाया तब जाकर वह सामान्य हुआ लेकिन एक दिन समीर से ईर्ष्या करने वाले उसके बॉस ने उससे फिर कुछ बदसलूंकी की तो समीर के अंदर पल रहे आक्रोश का शोला बुरी तरह भड़क उठा, वह आपे से बाहर हो गया और उसने भी पलटकर सबके सामने बॉस को लताड़ दिया।

फिर वही हुआ जिसकी मुझे आशंका थी, समीर को उस नौकरी से हाथ धोना पड़ा, वह जहां से चला था फिर से वहीं आ गया। वह काफ़ी हताश था, निराशा के गर्त में फिर से गिरने वाला था मगर पीयूष ने उसे समझाया कि तुम अपने घर जाओ, पिता से माफ़ी मांग लो, उनके कहे अनुसार काम करो, यही सबसे सही रास्ता है। समीर भी बाहर की ज़िंदगी से दो – चार हो चुका, बाहर की ज़िंदगी की कठिनाइयों से वह भली भांति परिचित था सो उसने पीयूष की बात मानकर घर लौटने का इरादा कर लिया और अपना सामान समेटकर हमारे पास रांची आ गया।

शेखर को समीर का घर आना बहुत अखर रहा था। उनका मूड

बहुत ज़्यादा उखड़ा – उखड़ा सा रहने लगा।वह बात – बात पर घर के सभी सदस्यों से उलझ बैठते। कुल मिलाकर घर के हालात फिर से पहले जैसे ही होते जा रहे थे। समीर शेखर का सामना करने में हिचकिचाने लगा , भला पीयूष की कही बातों पर अमल कैसे करता, पिता के उपेक्षित व्यवहार को देख, पिता से माफ़ी मांगकर माहौल को सामान्य करने का साहस कहां से जुटाता। शेखर और समीर का सामना अब बहुत कम होता। जब तक शेखर घर में होते समीर दूसरे कमरे में रहता, उस कमरे में जाने से शेखर भी बचते। घर में एक अजीब से सन्नाटे और तनावपूर्ण माहौल ने पुनः अपना बसेरा बना लिया था। शिखा भी इस माहौल का शिकार होकर गुमसुम सी रहने लगी थी।

अतीत की वादियों में पहुंचती हूं तो वह दिन याद आता है और दिल में एक हूक सी उठने लगती है। शाम का समय था शेखर ऑफ़िस से घर आ गए थे। चाय नाश्ता करके कुछ देर उन्होंने आराम किया और फिर टी वी पर कोई सीरियल देखने में व्यस्त हो गए। आज बहुत दिनों के बाद समीर ने अपने पिता से बात करने की हिम्मत जुटाई और शेखर के क़रीब आकर उनसे बात करने की कोशिश करने लगा। कुछ देर तो शेखर चुप रहे मगर थोड़ी देर के बाद उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। वह समीर पर बुरी तरह भड़क गए, उसे घर से निकल जाने का हुक्म सुनाकर वे दूसरे कमरे में चले गए। समीर उस कमरे में भी पहुंच गया। उसका चेहरा आंसुओं से तरबतर था।वह बार बार शेखर से विनती करता रहा कि – पापा मुझे माफ़ कर दीजिए, मैं अब कोई गलती नहीं करूंगा, आख़रि मैं कहां जाऊं? पापा प्लीज़, मेरी बात सुन लीजिए, माफ़ कर दीजिए पापा, वह सिसकता रहा मगर शेखर टस से मस नहीं हुए। बार – बार समीर को दुत्कारते रहे, भड़कते, झिड़कते रहे, जब समीर घर से नहीं निकला तो उन्होंने उसे मारने के लिए डंडा उठा लिया। मैं कांप सी गई। उस दिन मेरे सब्र का बांध टूट गया और मैं शेखर पर चिल्ला उठी लेकिन शेखर तो शेखर थे, उन्हें आवाज़ों को दबाने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता था, सो मेरी आवाज़ धीमी होती गई। समीर ने डबडबाई और कातर नज़रों से मुझे और शेखर को देखा और यह कहते हुए घर से निकल गया कि – ठीक है पापा ! मैं जाकर कहीं मर जाता हूं, आप ख़ुश रहिए...

वह इतनी तेज़ी से घर से निकला कि मैं बस समीर नहीं, नहीं समीर कहती और चीखती रह गई।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

जब जग में यह दृग खुले, और संभाला होश।
समझे पितृ के मूल्य को, और मातु आगोश।।
और मातु आगोश, तभी गुरु गौरव जाना।
सीखी अच्छी बात, बोध फिर जग का पाना।।
रचना सुन भगवान, पिता माता गुरु हैं सब।
इनसे पाया ज्ञान, खुले जग मे दो दृग जब।।

जब से आया ज्ञान है, इस धरती पर देख।
उपजी तब ही सभ्यता, मिले सिंधु उल्लेख।।
मिले सिंधु उल्लेख, हड़प्पा की भी घाटी।
उपजी नद के पास, बहुत उर्वर थी माटी।।
कहती रचना आज, हुई नित विकसित तब से।
आज हुआ नव रूप, ज्ञान यह फैला जब से।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

'यह सिर्फ शो नहीं एक विरासत है'

प्रियंका चाहर ने बताया एकता कपूर ने कैसे दिया था `नागिन 7' का ऑफर

प्रियंका चाहर एकता कपूर के सबसे लोकप्रिय शो 'नागिन' के नए सीजन में नजर आने जा रही हैं। 'नागिन 7' आज से ही प्रसारित होने जा रहा है। जानिए शो को लेकर प्रियंका चाहर ने क्या कुछ कहा३ टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी इस समय अपने करियर के एक अहम मोड़ पर हैं। बिग बॉस के बाद उन्होंने दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बनाई है। अब वह एकता कपूर के सुपरहिट शो 'नागिन 7' में प्रमुख भूमिका निभाने जा रही हैं। यह शो टीवी के सबसे चर्चित और सफल फ्रेंचाइजी में से एक माना जाता है। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत में प्रियंका ने अपने इस सफर को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि यह मौका उनके लिए कितना खास है और इससे जुड़ी जिम्मेदारियों को वह किस तरह देखती हैं। एकता कपूर ने कान में कही थी नागिन बनने की बात प्रियंका बताती हैं कि नागिन बनने का पहला संकेत उन्हें बिग बॉस के घर में ही मिल गया था और वह पल आज भी उनके जहन में ताजा है। वह कहती हैं, 'मेरा पहला रिएक्शन शायद लोगों ने बिग बॉस में अपनी आंखों से देखा होगा। जब एकता मैम ने मेरे कान में आकर बहुत ही चुपके से कहा कि तुम नागिन के लिए चुनी जा चुकी हो और तुम मेरी अगली नागिन बनने वाली हो, उस वक्त मैं अंदर से खुशी से कांप रही थी। लेकिन उस खुशी को जाहिर नहीं कर सकती थी, क्योंकि वह एक राज था।' बिग बॉस के बाद समझ आई इस मौके की असली अहमियत शो से बाहर आने के बाद इस ऑफर की अहमियत और भी गहराई से समझ में आई। एक्ट्रेस आगे कहती हैं, 'बिग बॉस से बाहर आने के बाद जब इस बारे में बात आगे बढ़ी, तब मुझे पूरी तरह एहसास हुआ कि यह कितना बड़ा मौका है। सच कहूं तो मुझे अंदर ही अंदर लग रहा था कि यह एक वादा है, जो कभी न कभी पूरा होगा। लेकिन जब ऑफिशियल कॉल आया और वह कॉल काफी देर से आया, तब जाकर मुझे लगा कि अब यह सपना सच में हकीकत बनने जा रहा है। हालांकि इसका इंतजार काफी लंबा था।' इस खुशखबरी को सबसे पहले पापा के साथ शेयर किया प्रियंका ने अपनी इस खुशखबरी को सबसे पहले अपने परिवार और पापा के साथ शेयर किया। प्रियंका कहती हैं, 'मेरी जिंदगी में मेरे परिवार से ज्यादा अहम कुछ नहीं है। इसलिए इस खुशखबरी को सबसे पहले मैंने अपने पापा को बताया। पापा ने मम्मी को बताया होगा और फिर पूरे घर में यह खबर फैल गई होगी।' नागिन सिर्फ एक शो नहीं बल्कि एक बड़ी विरासत है नागिन जैसी आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना प्रियंका के लिए सम्मान के साथ भारी जिम्मेदारी भी है। इस बारे में एक्ट्रेस ने कहा, 'मेरे दिमाग में सबसे पहला ख्याल यही आया कि यह सिर्फ एक शो नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी विरासत है। नागिन जैसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना आसान नहीं होता। मैं खुद से पूछ रही थी कि क्या मैं इस जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाऊंगी। लेकिन इसी डर के साथ एक मजबूत आत्मविश्वास भी था। मैं चाहती हूं कि दर्शक जब मुझे नागिन के रूप में देखें, तो उन्हें कोई कमी महसूस न हो।' मौनी रॉय आज भी मेरी सबसे पसंदीदा नागिन हैं पुराने सीजनों को याद करते हुए प्रियंका कहती हैं, 'नागिन के अब तक जितने भी सीजन आए हैं, वे सभी अपने आप में आइकॉनिक हैं। हर नागिन ने इस किरदार को खास बनाया है। मेरी कोशिश यही है कि नागिन 7 भी उसी ऊंचाई तक पहुंचे और अपनी अलग पहचान बनाए।' अपनी पसंदीदा नागिन को लेकर प्रियंका ने कहा कि अगर मैं दिल से कहूं, तो सीजन वन की नागिन आज भी मेरे लिए सबसे खास हैं। मौनी रॉय ने उस किरदार को जिस खूबसूरती से निभाया, वह आज भी याद किया जाता है। वह न सिर्फ शानदार अभिनेत्री हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी हैं। नागिन का कॉस्ट्यूम पहनना भावुक कर देने वाला पल था जब प्रियंका ने पहली बार खुद को नागिन के लुक में देखा, तो वह पल उनके लिए अविस्मरणीय बन गया। एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने नागिन का कॉस्ट्यूम पहना और खुद को आईने में देखा, तो मेरी आंखें भर आईं। वह सिर्फ एक लुक नहीं था, बल्कि मेरे पूरे सफर का नतीजा था। उस पल मुझे खुद के अंदर एक अलग ही ताकत और आत्मविश्वास महसूस हुआ। बिग बॉस के मंच पर सलमान खान के साथ दोबारा वापसी बिग बॉस 16 की कंटेस्टेंट से लेकर सीजन 19 में नागिन 7 को प्रमोट करने तक के अपने सफर पर प्रियंका ने कहा कि सलमान सर के साथ स्टेज शेयर करना हर बार उतना ही खास होता है। उनके सामने खड़ा होना, उनसे बात करना किसी भी कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात है। मैं स्टेज पर जाने से पहले बहुत नर्वस थी, लेकिन अंदर ही अंदर बेहद एक्साइटेड भी थी। सलमान खान हमेशा कंटेस्टेंट्स को सपोर्ट करते हैं सलमान खान को लेकर प्रियंका का कहना है कि सलमान सर ने मुझे दिल से शुभकामनाएं दीं। उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि मैं बिग बॉस के बाद आगे अच्छा काम कर रही हूं। वह हमेशा अपने शो के कंटेस्टेंट्स को सपोर्ट करते हैं और यह बात मुझे अंदर तक छू गई।

एस. एस. राजामौली की 'वाराणसी' को मिला दर्शकों का जबरदस्त प्यार, मेकर्स ने शेयर की झलक

एस. एस. राजामौली की आने वाली दमदार एक्शन–एडवेंचर फिल्म वाराणसी, जिसमें महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे, भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। फिल्म को लेकर उत्साह उस वक्त और बढ़ गया, जब मेकर्स ने रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित एक शानदार ग्लोब ट्रॉटर इवेंट में इसकी पहली झलक दिखाई। इस ग्रैंड रिवील को देखने के लिए 50,000 से ज्यादा फैंस की भारी भीड़ जुटी थी, जिसने इसे भारतीय एंटरटेनमेंट इतिहास की सबसे बड़ी लाइव फैन गैदरिंग्स में से एक ही नहीं, बल्कि देश का अब तक का सबसे बड़ा फिल्म रिवील बना दिया। भारत से बाहर भी वाराणसी ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। फिल्म का पहला ग्लिम्प्स पेरिस के ले ग्रैंड रेक्स में आयोजित ट्रेलर फेस्टिवल में दिखाया गया, जो यूरोप का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक थिएटर माना जाता है, जहां दर्शकों का रिस्पॉन्स जबरदस्त रहा। जैसे ही स्क्रीन पर फुटेज चली, पूरा थिएटर तालियों, सीटियों और उत्साह भरे शोर से गूंज उठा, जिससे माहौल पूरी तरह से जोश से भर गया। बाद में दर्शकों ने अपने रिस्पॉन्स के जरिए फिल्म की जबरदस्त सोच और ग्रैंड विजुअल्स की खुलकर तारीफ की और फ्रांस में इसकी रिलीज देखने की इच्छा जताई। फिल्म का संगीत खास तौर पर लोगों को पसंद आया। साथ ही भारत की गहरी सांस्कृतिक विरासत को कहानी में पिरोने के लिए कई दर्शकों ने एस. एस. राजामौली की सराहना की, और कुछ ने तो उन्हें आज के दौर का शेक्सपीयर तक कह दिया। मेकर्स ने इस खास पल को कैमरे में कैद किया और सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा– पेरिस के ऐतिहासिक और यूरोप के सबसे बड़े थिएटर ले ग्रैंड रेक्स में हुए ट्रेलर फेस्टिवल में वाराणसी को दुनिया के सामने दिखाया गया, जहां हॉलीवुड और फ्रेंच फिल्मों के 30 से ज्यादा आने वाले ट्रेलर्स भी शामिल थे। फ्रांस, आप वाकई प्यार हो घ्छ सच में। इसके अलावा वाराणसी में पृथ्वीराज सुकुमारन का कुंभा वाला पहला लुक और प्रियंका चोपड़ा जोनस का मंदाकिनी वाला जबरदस्त अंदाज पहले ही सामने आ गया है। इससे सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और देशभर में उत्सुकता बढ़ गई है। अब दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि यह ग्रैंड फिल्म 2027 में बड़े पर्दे पर आने वाली है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया, एपी ढिल्लन के कॉन्सर्ट से विवादों में आ गईं। उनका एक वीडियो वायरल हो गया, जिसमें वो मंच पर एपी ढिल्लन को गले लगाती दिखीं थीं, जिस समय उनके बॉयफ्रेंड उन्हें देखकर नाराज नजर आए। हाल ही में तारा सुतारिया ने इसे अपने खिलाफ पैसे देकर चलाया जा रहा कैंपेन कहा। अब इस विवाद में पॉपुलर इन्फ्लूएंसर ओरी भी तारा के सपोर्ट में उतरे हैं। ओरी ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से एपी ढिल्लन कॉन्सर्ट का रियल वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें तारा को मंच पर परफॉर्म करते देख बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया खुशी से थिरकते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ओरी ने लिखा है, शरियलटाइम फुटेज। जो मीडिया आपको नहीं दिखाएगी।श ओरी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में तारा सुतारिया, एपी ढिल्लन को मंच पर गले लगाती दिखई हैं, जिसके बाद दोनों पॉपुलर गाने थोड़ी सी दारू पर परफॉर्म करते हैं। इसी समय वीर पहाड़िया, ओरी और मिस्टर फैसू भी इस गाने पर एंजॉय करते दिखे हैं। जबकि पहले सामने आए वीडियो में दिखाया जा रहा था कि वीर पहाड़िया, गर्लफ्रेंड तारा को मंच पर देख काफी नाराज थे। तारा सुतारिया–वीर पहाड़िया ने भी दी विवाद पर सफाई तारा सुतारिया ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एपी ढिल्लन के मुंबई कॉन्सर्ट का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो मंच पर थोड़ी सी दारू गाने पर एपी के साथ थिरकती और उन्हें गले लगाती नजर आई हैं।

एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी हैं. वो सीधेतौर पर अपनी बात रखती हैं. तनुश्री दत्ता ने एक बार एक फिल्म के डायरेक्टर पर बदतमीजी करने के आरोप लगाए थे. तनुश्री दत्ता ने बिना नाम लिए बताया था कि डायरेक्टर ने उन्हें कहा था कि कपड़े उतार के नाच. तनुश्री को ये बहुत बुरा लगा था. अब उनका वो इंटरव्यू वायरल हो रहा है. जब डायरेक्टर ने की तनुश्री दत्ता के साथ बदमीजी पिंकविला के साथ बातचीत में तनुश्री दत्ता ने बताया था, शफिल्म के सेट पर, आप तो इतने बड़े डायरेक्टर भी नहीं हैं. आप क्यों इस तरह से बदतमीजी से बात कर रहे हो. कपड़े उतार के नाच, इस तरह से उसने बोला. मुझे गाउन को उतारना था. वो ही चीज आप तरीके से भी बोल सकते हो ना. वहां पर मुद्दा हुआ था. मैं तो भी चुप रह गई थी. उन दिनों में मैं बहुत शांत थी. मैंने उन्हें लुक दिया और शांत रही. लेकिन बाकी जो एक्टर्स थे उन्हें भी ये बुरा लगा था. सबको बुरा लगा था. अब मीटू के टाइम पर कोई सामने आकर बोला नहीं, लेकिन उस वक्त सभी ने मुझे सपोर्ट किया था. इसीलिए वो डायरेक्टर चुप हो गया था. उसकी आदत ही बुरी है. उसको तरीका नहीं आता.श इसके अलावा उन्होंने कहा, श उस सीन में मैंने जो भी कपड़े पहने थे वो एक्सपोजर वाले थे. उसमें मुझे पानी के नीचे डांस करना था. उस डायरेक्टर ने मुझे बोला था कपड़े उतारके नाच. किसी प्रोफेशनल और मिस इंडिया ये बात करने का ये कोई तरीका नहीं है. उसके लिए आवाज उठाई और आवाज क्या उठाना, मीडिया में बातों–बातों में कह दिया था. मैंने तो उस डायरेक्टर का नाम भी नहीं लिया था. वो खुद ही आकर कूद पड़ा था. आजतक इंटरव्यू दे रहा है.श बता दें कि तनुश्री दत्ता ने आशिक बनाया आपने, चॉकलेटरू डीप डार्क सीक्रेट्स, भागम भाग, 36 चाइना टाउन, ढोल, रिस्क, गुड बॉय बैड बॉय, सास बहू और सेंसेक्स, अपार्टमेंट, सुपर कॉप्स वर्सेस सुपर विलेन्स जैसी फिल्में की हैं.

'राहु केतु' ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर मचाया धमाल, नेटिजन्स ने की पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की तारीफ

'राहु केतु' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। फिल्म के मजेदार कॉन्सेप्ट, कॉमिक एनर्जी और खासतौर पर पुलकित सम्राट की परफॉर्मेंस को लेकर नेटिजन्स खुलकर तारीफ कर रहे हैं। ट्विटर (एक्स) से लेकर फैन फोरम्स तक, दर्शक ट्रेलर को एक फ्रेश और फील–गुड एंटरटेनर बता रहे हैं, वहीं पुलकित की नेचुरल चार्म और शानदार कॉमिक टाइमिंग की भी खूब सराहना हो रही है। ट्रेलर सामने आते ही फैंस ने सोशल प्लेटफॉर्म्स पर पॉजिटिव रिएक्शन्स की बाढ़ ला दी है। कई यूजर्स ने पुलकित सम्राट की उस एनर्जी की तारीफ की जो जानी–पहचानी होने के बावजूद फ्रेश लगती है। साथ ही वरुण शर्मा के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी दर्शकों ने खास तौर पर सराहा। फन, एंटरटेनिंग और "परफेक्ट लाफ राइड" जैसे शब्द टाइमलाइन्स पर छाए हुए हैं। वहीं, लाइट–हार्टेड और कॉस्मिक कॉमेडी सेटअप में इस जोड़ी को फिर से साथ देखने को लेकर फैंस बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। एक फैन जहां पुलकित की कॉमेडी को ईमानदार, एफर्टलेस और नेच्युरल कह रहे हैं, वहीं दूसरे फैन का कहना है कि राहु केतु काफी कलरफुल और मजेदार लग रही है, इस फिल्म में पुलकित एकदम कातिलाना लग रहे हैं। एक अन्य फैन ने लिखा है, आधा मनोरंजन तो पुलकित और वरुण को साथ में देखकर ही मिल जाता है। हम तो उन्हें देखने के लिए एक्साइटेड हैं। एक और यूजर ने लिखा है, ये मूवी फ्रेंड्स के साथ देखनेवाली लग रही है। स्पेशली पुलकित सम्राट जब कॉमेडी करते हैं, तो नेचुरली हंसी आ जाती है।

बरसात में नहीं लेना चाहते हैं रिस्क, तो भूलकर भी परिवार के साथ न जाएं इन जगहों पर

मानसून में पहाड़ों पर घूमना बहुत रोमांचक हो सकता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कुछ जगहों पर भारी बारिश के कारण खतरनाक परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान हुई भारी बारिश के कारण 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 28 जुलाई तक अलग–अलग स्थानों पर भारी बारिश का 'येलो अलर्टश जारी किया है। यदि आप घूमने के लिए हिमाचल जाने का प्लान बना रहे हैं तो अभी रूक जाइए।

हिमाचल में कई सड़कें बंद

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, कुल 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गई, जिनमें मंडी की 12, किन्नौर की दो और कांगड़ा जिले की एक सड़क शामिल हैं। मौसम विभाग ने तेज हवाओं और निचले इलाकों में जलभराव के कारण राज्य में बागानों और फसलों, कमजोर संरचनाओं तथा कच्चे घरों को होने वाले नुकसान के बारे में भी चेतावनी दी है।

पर्यटक रहें अलर्ट

जनजातीय जिला लाहौल और स्पीति का कुकुमसेरी मंगलवार रात 10.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि ऊना दिन में सबसे गर्म रहा जहां तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसे में पर्यटकों को यही सलाह दी जा रही है कि कुल्लू, मनाली, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, और शिमला जैसे स्थानों पर यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें और सभी सुरक्षा उपायों का पालन करें।

इन जगहों पर जाना सही नहीं

कुल्लू और मनाली मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन के लिए जाने जाते हैं। सड़कों पर पानी भरने और भूस्खलन की वजह से यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना रहती है।धर्मशाला और मैक्लोडगंज में भी मानसून के दौरान भूस्खलन का खतरा रहता है। बारिश के कारण सड़कें बंद हो सकती हैं और यातायात प्रभावित हो सकता है। शिमला में भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे यात्रा करना खतरनाक हो सकता है।

मानसून में सफर करने के दौरान बरतें सावधानी

–यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान जरूर देखें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। अगर मौसम खराब है, तो यात्रा को टालना बेहतर होगा।

–स्थानीय लोगों से वर्तमान मौसम की स्थिति और सड़कों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करें। वे आपको अधिक सही और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

–ऐसे मार्गों का चयन करें जो कम भूस्खलन प्रवण हों और जहां सुरक्षा के उपाय बेहतर हों।

–आपातकालीन सेवाओं के संपर्क नंबर और नजदीकी अस्पतालों की जानकारी अपने पास रखें।

–अपनी कार में प्राथमिक चिकित्सा किट, टॉर्च, अतिरिक्त बैटरी, और गर्म कपड़े रखें। यात्रा के दौरान हमेशा उचित सुरक्षा उपकरण साथ रखें।

ज्योतिष में रत्नों का महत्व उनके विशेष गुणों और ग्रहों से जुड़े प्रभाव के आधार पर माना जाता है। ये रत्न शुभता में वृद्धि करके व्यक्ति के जीवन में सफलता और उन्हें स्थापित करने में मदद करते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से, हर ग्रह को एक विशेष रत्न से जोड़ा गया है और इसका धारणा विशेष क्षेत्रों में सफलता के लिए प्रेरित किया जाता है। उदाहरणार्थ, किसी व्यक्ति के करियर के विकास और प्रगति के लिए माणिक्य, पुखराज या मूंगा धारण किया जा सकता है, जो उनके ज्योतिषीय प्रोफाइल और ग्रहों के स्थिति के आधार पर निर्धारित किया जाता है। रत्नों के धारणा से व्यक्ति को वृद्धि और स्थिरता का संबंधित लाभ मिल सकता है, जो उनके करियर और जीवन के विभिन्न पहलुओं में मददगार साबित हो सकता है।

हीरा

शुक्र ग्रह का प्रतीक है। इसका धारणा सुख, धन, प्रेम और वैवाहिक सुख में वृद्धि करता है। कला, मनोरंजन, सौंदर्य उत्पादों, आतिथ्य और संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाले इसे धारण कर सकते हैं।

मोती

चंद्रमा के संबंध में है। फेफड़ों, छाती, मानसिक स्वास्थ्य और महिला स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं में लाभकारी है। चिकित्सक, नर्स, यात्रा एजेंट्स और नर्सिंग और आतिथ्य उद्योग में काम करने वाले इसे धारण कर सकते हैं।

पन्ना

बुध ग्रह का प्रतीक है। स्मृति और बुद्धि में सुधार करता है। शिक्षक, लेखक, संपादक, लेखांकन, बैंकर और संचार से संबंधित पेशेवरों के लिए उपयुक्त है।

माणिक्य

सूर्य ग्रह का प्रतीक है। साहस, नेतृत्व क्षमता और सामान्य जीवन शक्ति में वृद्धि करता है। सरकारी अधिकारी, राजनेता, डॉक्टर, रक्त संबंधी समस्याओं के लिए चिकित्सक और नेताओं के लिए यह उपयुक्त है।

मूंगा

मंगल ग्रह का प्रतीक है। आत्मविश्वास, साहस और शारीरिक शक्ति में वृद्धि करता है। सर्जन, रक्षा कर्मियों, इंजीनियर, खिलाड़ी और साहसी पेशेवरों के लिए उपयुक्त है।

पुखराज

गुरु ग्रह का प्रतीक है। आध्यात्मिक रुचि, ज्ञान और प्रतिष्ठा में वृद्धि करता है। शिक्षक, धर्म शिक्षक, विद्वान, कानूनी पेशेवर और शैक्षिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए यह उपयुक्त है।

नीलम

शनि ग्रह का प्रतीक है। खनन, पेट्रोलियम, अभियांत्रिकी, श्रम, हड्डी संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए उपयुक्त है।

ये रत्न वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों के अनुसार आधारित माने जाते हैं और उन्हें अनुभव के हिसाब से उपयुक्त राशि और ग्रह के लिए धारण किया जाता है।

अगर आपको मेकअप करना बेहद पसंद है और आप हमेशा से मेकअप के नए–नए प्रोडक्ट ट्राई करते रहते हैं तो ये लेख आप के लिए है। आमतौर पर महिलाओं को मेकअप करना खूब पसंद होता है, ऐसे में वे अक्सर मेकअप प्रोडक्ट खरीदती रहती हैं। महिलाओं की रोजमर्रा लाइफ में लिपस्टिक की खास अहमियत है। लिपस्टिक के बिना मेकअप अधूरा है, लिपस्टिक ही मेकअप की जान है। जब आप लिपस्टिक के शेड का चयन करें तो हमेशा स्किन टोन का खासतौर से ध्यान रखना जरुरी है। आइए इस लेख में जानते हैं मीडिय स्किन टोन के लिए डार्क लिपस्टिक के कुछ ट्रेंडी शेड्स।

चॉकलेट ब्राउन लिपस्टिक

ज्यादातर ब्राउन कलर को आई मेकअप के लिए चुना जाता है। अगर आप बोल्ड लुक पाने के लिए होठों पर चॉकलेट ब्राउन कलर की लिपस्टिक लगा सकती हैं। इसके साथ ही इसमें ब्राउन न्यूड शेड भी मिल जाएगा। वैसे तो यह शेड न्यूड है लेकिन देखने में यह काफी बोल्ड दिखता है। यह आपके लुक को एकदम शानदार बना देगा।

बोल्ड रेड लिपस्टिक

डार्क कलर्स में रेड लिपस्टिक को सबसे ज्यादा किया जाता है। आजकल सबसे ज्यादा साटन मैट यानी कम शाइन वाले लिप शेड को काफी पसंद किया जाता है। यह शेड आपके हर ड्रेस पर सूट करेगा। रेड कलर में ब्राइट से लेकर डल यानी डीप शेड्स आपको अपनी मीडियम स्किन टोन के हिसाब से देखने को मिल सकते हैं।

डार्क पिंक लिपस्टिक

अगर आप बोल्ड लुक पाना चाहती हैं तो पिंक पैलेट में लिपस्टिक की कोई कमी नहीं है, आप पीच की जगह गाजरी पिंक या रेडिश पिंक कलर की लिपस्टिक को चुन सकती हैं। इसमें आप ग्लॉस को शामिल भी कर सकते हैं या चाहे तो मैट में भी लिपस्टिक चुन सकते हैं।

जब आप लिपस्टिक का चयन करें तो स्किन टोन के अनुसार ही ध्यान रखें। मीडियम स्किन टोन के लिए एकदम परफेक्ट होंगी ये लिपस्टिक शेड्स। इन शेड्स को आप चेहरे पर अप्लाई करेंगी तो एक अलग ही चेहरे पर रौनक दिखेंगी। आज ही इन शेड्स की लिपस्टिक खरीदें।

आलू में मिनरल्स, विटामिन्स और एंजाइम्स मौजूद होता है। जोकि स्किन के लिए कई तरीके से लाभकारी होता है। कच्चा आलू और इसका रस दोनों को आप स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

आलू एक ऐसी सब्जी है, जो हर किसी को पसंद होती है। आलू की न सिर्फ सब्जी बल्कि कई तरह के मीठे और तीखे पकवान भी बनाए जाते हैं। आपको बता दें कि आलू सिर्फ खाने ही नहीं बल्कि खूबसूरती बढ़ाने और रंगत को निखारने के काम आता है। आलू में मिनरल्स, विटामिन्स और एंजाइम्स मौजूद होता है। जोकि स्किन के लिए कई तरीके से लाभकारी होता है। कच्चा आलू और इसका रस दोनों को आप स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

कच्चा आलू और इसका रस दोनों को फेस पर अप्लाई करने से दाग–धब्बे और झुर्रियां कम होती हैं और फेस का निखार भी बढ़ता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इसका इस्तेमाल किस तरह से कर सकते हैं।

दाग–धब्बे दूर करने के लिए

आधे आलू का रस

हल्दी– 2 चुटकी

ऐसे करें अप्लाई

एक कटोरी में आलू का रस और हल्दी मिला लें।

फिर इस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

करीब 15–20 मिनट तक लगाए रहने के बाद इसको धो दें।

सप्ताह में एक या दो बार इस फेस पैक को लगाएं।

दो सप्ताह में आपको फेस पर फर्क साफ नजर आएगा।

ग्लोइंग स्किन के लिए

आधे आलू का रस

एक अंडे का सफेद हिस्सा

ऐसे करें अप्लाई

एक कटोरी में अंडे को अच्छे से फेंट लें।

इसके इसमें आलू का रस मिलाएं और फिर फेस पर अप्लाई करें।

करीब 10 मिनट तक इसको अप्लाई करने के बाद फेस को ठंडे पानी से धो लें।

बता दें कि 8–10 दिन में एक बार इस पैक को लगाने से आपका फेस ग्लो करने लगेगा।

रंगत सुधारने के लिए

आलू का रस– 2 टीस्पून

पानी– 2 टीस्पून

ऐसे करें अप्लाई

आलू का रस और पानी को मिलाकर इसे फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

जब यह सूख जाए, तो चेहरे को धो लें।

इसको फेस पर अप्लाई करने से उम्र से पहले नजर आने वाली झुर्रियां कम होती हैं।

दमकती त्वचा पाने के लिए

आधे आलू का रस

कच्चा दूध– 1 चम्मच

ऐसे करें अप्लाई

आलू का रस और कच्चे दूध को एक बोल में दोनों को मिला लें। फिर कॉटन की मदद से इसको फेस पर अप्लाई करें।

करीब 10 मिनट तक इसको फेस पर लगाए रहने के बाद चेहरा धो दें।

सप्ताह में 2 बार इसको अप्लाई करने पर आपको जल्द ही रिजल्ट देखने को मिलेगा।

पहले वनडे के लिए कैसी होगी भारत की संभावित प्लेइंग–11 ? क्या पंत को मिल सकेगा मौका

वडोदरा,एजेंसी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से 2026 की शुरुआत करेगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच रविवार को वडोदरा में खेला जाएगा। यह साल भारत के लिए काफी व्यस्त है और अगले महीने टी20 विश्व कप भी होना है, ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवर की यह सीरीज काफी अहम है। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल चोट के बाद मैदान पर वापसी करेंगे। गिल पिछले कुछ समय से रंग में नजर नहीं आए हैं और उनके पास इस सीरीज के जरिये फॉर्म में वापसी करने का मौका होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ी भी टीम में मौजूद हैं। रोहित और कोहली इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते नजर आए थे। कोहली शानदार फॉर्म में दिखे थे और उन्होंने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब एक बार फिर त्व–ज्ञव की यह जोड़ी दर्शकों का मनोरंजन करेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले रोहित और कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी दो मैच खेले थे।

यह देखना दिलचस्प होगा कि टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद कप्तान शुभमन गिल कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है, वहीं पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में वह चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है। यशस्वी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अपना पहला वनडे शतक जमाया था।

इस सीरीज से श्रेयस अय्यर की भारतीय टीम में वापसी होगी। श्रेयस पिछले साल अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हो गए थे। वनडे सीरीज के लिए टीम घोषित करते समय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्पष्ट किया था कि श्रेयस का खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। श्रेयस ने हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई टीम की कप्तानी की थी और उन्हें सीओई से

फिटनेस सर्टिफिकेट भी मिल गया था। इससे उनके न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने का रास्ता भी साफ हो गया। श्रेयस अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लगने की उम्मीद है और 31 वर्षीय इस बल्लेबाज का एक बार फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय है।

ऋषभ पंत को वनडे टीम में लेने पर काफी चर्चा हुई थी, लेकिन यह स्पष्ट है कि प्लेइंग–11 में विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल ही पहली पसंद होंगे। केएल राहुल की निचले क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में भूमिका जारी रहने से ऋषभ पंत के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना कम है। वहीं, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले हैं।

जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को टी20 प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखते हुए इस प्रारूप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा। वहीं, ऑलराउंडर के तौर पर वॉशिंगटन सुंदर को प्लेइंग–11 में जगह मिलने की उम्मीद है।

भारत– शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणाध् प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव

न्यूजीलैंड– हेनरी निकोलस, विल यंग, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, जेडन लेनोक्स, डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), जकारी फोक्स, काइल जैमिसन, माइकल रे, क्रिस्टन क्लार्क।

हम ऐसे बर्ताव कर रहे हैं जैसे सब ठीक है, विवाद पर शांतो ने तोड़ी चुप्पी, बीसीबी के निदेशक को घेरा

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को अपने ही खिलाड़ियों से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बीसीबी ने टी20 विश्व कप के मुकाबले भारत में नहीं खेलने की जिद पकड़ ली है, लेकिन उसे अपने ही घर में विरोध झेलना पड़ रहा है। अब इसे लेकर बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने भी चुप्पी तोड़ी है। शांतो का कहना है कि अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में टीम के शामिल होने पर चल रहे संशय से खिलाड़ियों पर असर पड़ रहा है, लेकिन हम ऐसे बर्ताव कर रहे हैं जैसे सब ठीक है।

शांतो ने इसके अलावा पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारत का एजेंट कहने पर बीसीबी के निदेशक एम नजमुल इस्लाम को भी घेरा। बांग्लादेश ने आईसीसी से उसके मुकाबले भारत के बजाए श्रीलंका में खेलने की मांग की है। बीसीबी ने भारत में सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। आईसीसी ने आधिकारिक रूप से इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन बांग्लादेश के खिलाड़ी अब इस विवाद को लेकर अपने ही बोर्ड को घेर रहे हैं। शांतो ने कहा, सबसे पहले अगर आप हमारे विश्व कप के नतीजों को देखें, तो हमने कभी भी लगातार अच्छा क्रिकेट नहीं खेला है।

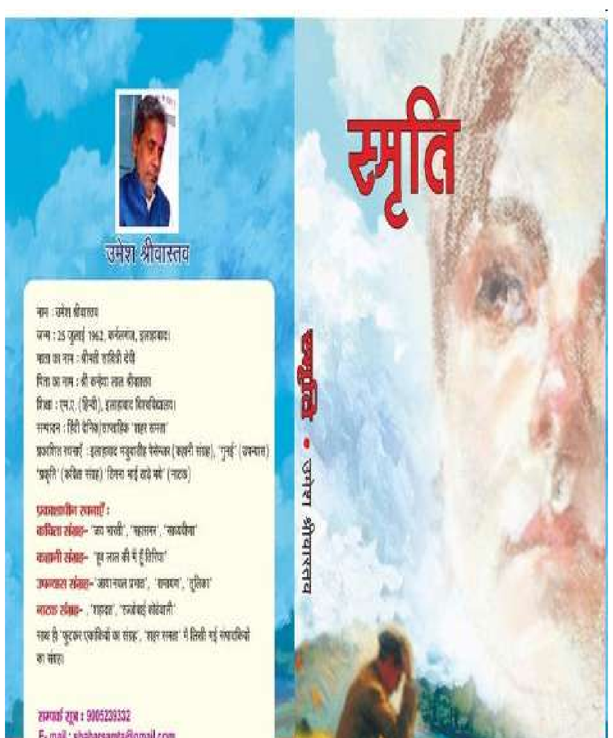

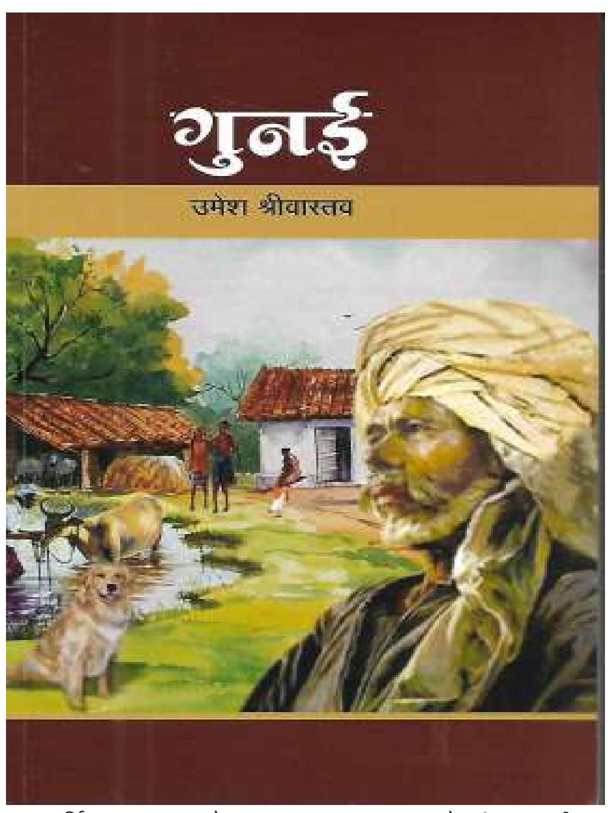

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

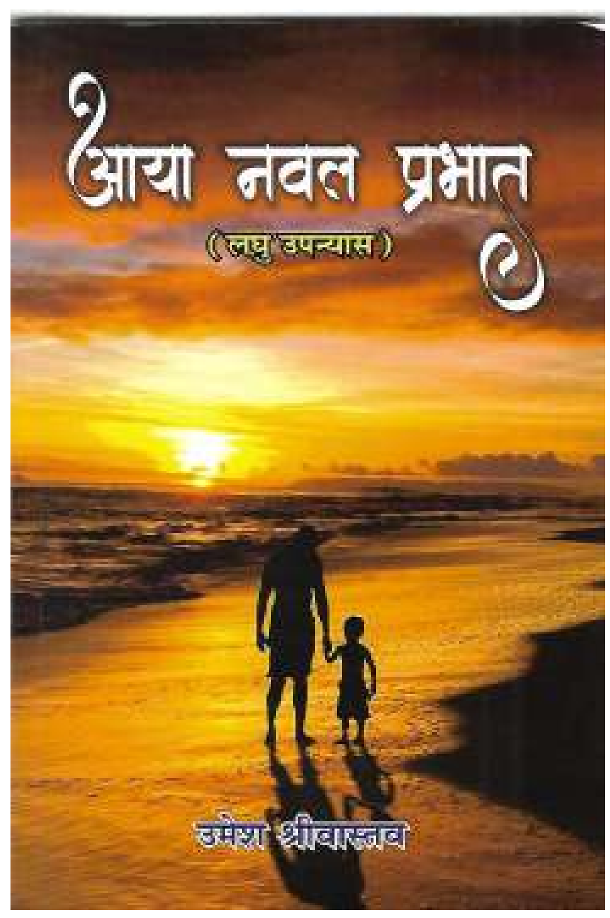

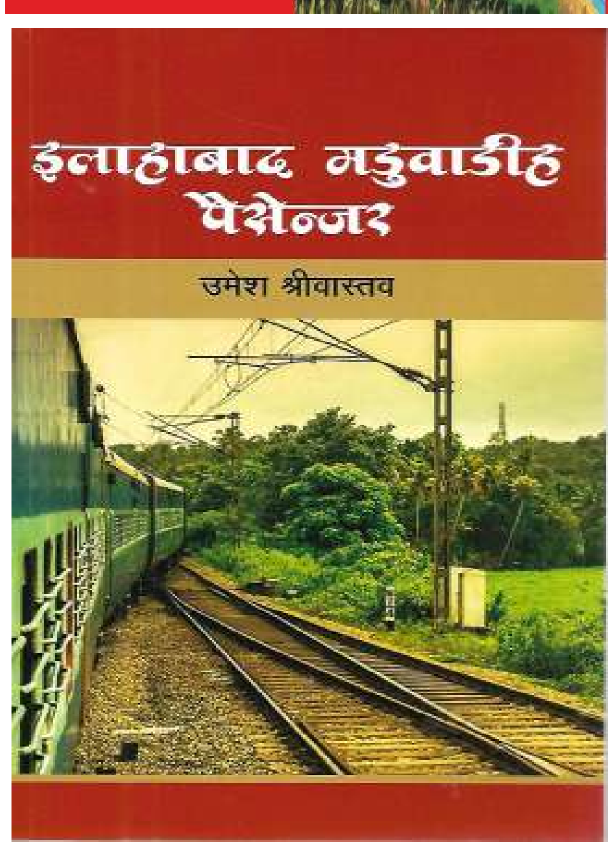

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

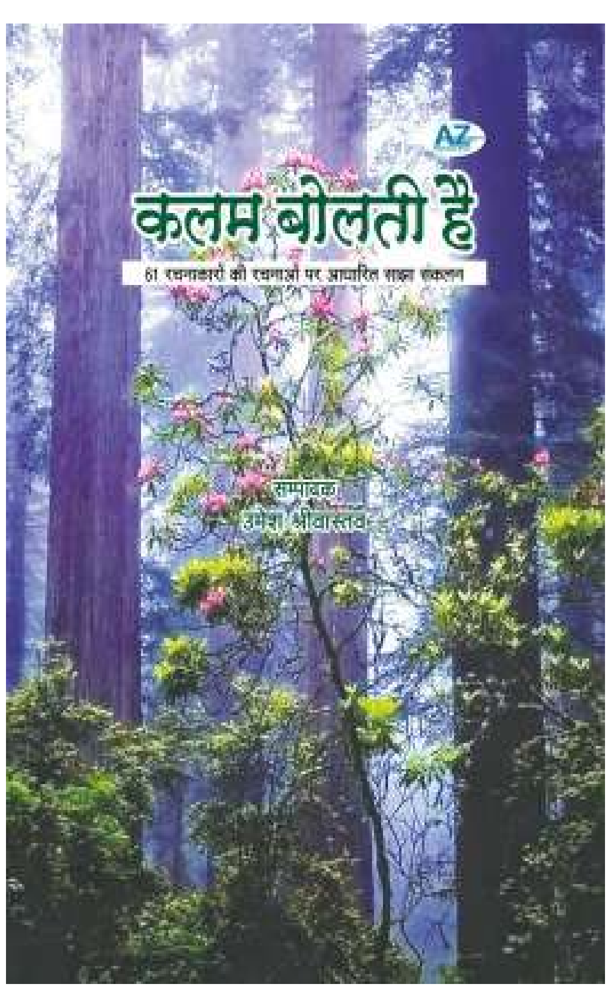

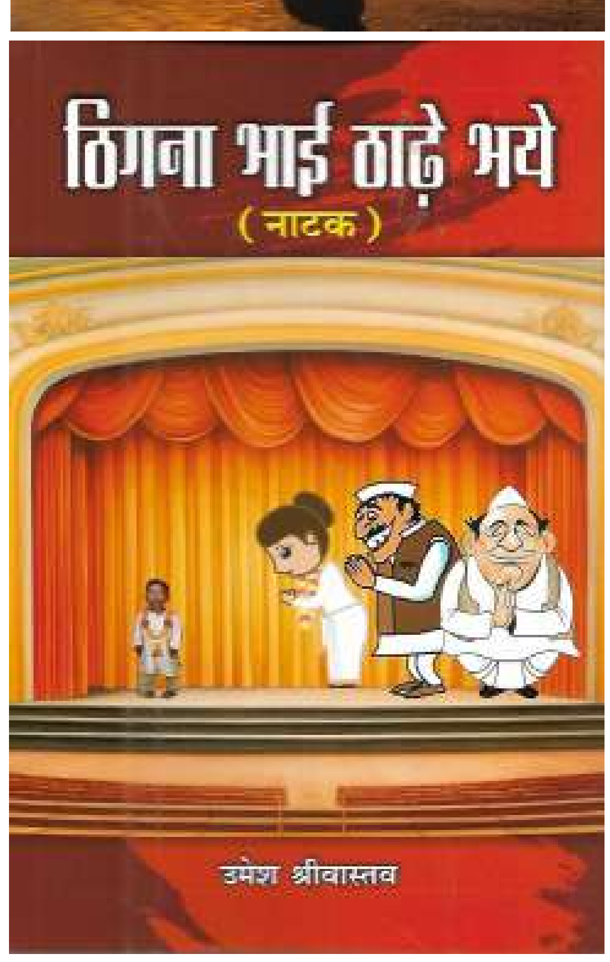

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर लुटनिक के बयान पर जीटीआरआई क्यों बोला– बहाने बना रहे? जानें वजह

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत स्थित थिंक टैंक जीटीआरआई ने भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (ठज।) को लेकर अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के बयान पर कड़ा सवाल उठाया है। जीटीआरआई ने कहा कि बड़े व्यापार समझौते नेताओं के बीच प्रतीकात्मक संवाद पर नहीं, बल्कि नीतिगत सहमति और हितधारकों के बीच तालमेल पर निर्भर करते हैं। बता दें कि लुटनिक ने दावा किया था कि भारत–व्यापार समझौता इसलिए नहीं हो सका क्योंकि प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से फोन नहीं किया। उन्होंने अमेरिकी निवेशक के साथ एक पॉडकास्ट बातचीत में कहा था कि सौदे की संरचना तैयार थी, लेकिन अंतिम चरण में नेतृत्व– स्तर की सीधी बातचीत जरूरी थी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआआई) का कहना है कि ऐसे बयान व्यापार वार्ताओं की वास्तविक प्रक्रिया को सरल बनाकर पेश करते हैं। संस्था ने सवाल उठाया कि अगर जुलाई 2025 में ही अमेरिका ने श्कोई सौदा नहींश का फैसला कर लिया था, तो इसके बाद दोनों देशों के बीच महीनों तक बाजार पहुंच, शुल्क और नियामकीय मुद्दों पर बातचीत क्यों चलती रही। जीटीआरआई के अनुसार, भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता में लगातार हो रही देरी के बीच, अमेरिकी वाणिज्य सचिव की एक टिप्पणी ने ध्यान को वास्तविक मुद्दे से प्रतीकात्मकता की ओर मोड़ दिया है। संस्था ने कहा कि लुटनिक की व्याख्या से जटिल व्यापार वार्ताओं के वास्तव में विफल होने के तरीके के बारे में जवाब मिलने की तुलना में अधिक प्रश्न उठते हैं। लुटनिक ने कहा था कि पीएम मोदी बाद में फोन करने के लिए सहमत हो गए थे, लेकिन तब तक ष्बहुत देर हो चुकी थीष, क्योंकि अमेरिका पहले ही अन्य देशों के साथ व्यापार सौदों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर चुका था।

रोजगार के आंकड़ों के बाद एस–पी500 रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका में मिश्रित रोजगार आंकड़ों के बाद शुक्रवार को वैश्विक शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। वॉल स्ट्रीट पर S-P 500 इंडेक्स शुरुआती कारोबार में 0.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ अपने सर्वकालिक उच्च स्तर के करीब पहुंच गया। निवेशकों का मानना है कि लेबर मार्केट के ये आंकड़े फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं को पूरी तरह खत्म नहीं करते, भले ही इसमें थोड़ी देरी हो सकती है। हालांकि, वैश्विक तेजी के बीच

भारतीय बाजार में सुस्ती रही और सेंसेक्स 0.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। लेबर डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर में नियोक्ताओं ने उम्मीद से कम कर्मचारियों की भर्ती की, हालांकि बेरोजगारी दर में सुधार हुआ है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि कई कंपनियां अपने कार्यबल का विस्तार करने से बच रही हैं, जिससे भर्ती सुस्त बनी हुई है। फेडरल रिजर्व ने गिरते लेबर मार्केट और 2 प्रतिशत से ऊपर बनी मुद्रास्फीति के बीच संतुलन बनाने के लिए 2025 के अंत तक अपनी बेंचमार्क दर में तीन बार कटौती की थी। अब यदि दिसंबर की जॉब रिपोर्ट उम्मीद से अधिक कमजोर साबित होती है, तो 27–28 जनवरी को होने वाली फेड की अगली बैठक में दर कटौती का मामला मजबूत हो सकता है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा संघीय सरकार को 200 अरब डॉलर के मॉर्गेज बॉन्ड खरीदने के निर्देश देने के बाद होमबिल्डर शेयरों में तेजी जारी है। केबी होम, डीआर हॉर्टन और लेनार कॉर्प के शेयरों में 1 से 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। दूसरी ओर, इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में गिरावट का असर ऑटो सेक्टर पर दिखा। जनरल मोटर्स ने कहा कि वह चौथी तिमाही में करीब 6 अरब डॉलर का नुकसान उठाएगी, जिसके चलते प्री–मार्केट में इसके शेयर लगभग 2 प्रतिशत गिर गए।

क्या चार अरब डॉलर जुटाने के लिए 2.5प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे अंबानी

नई दिल्ली,एजेंसी। एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स के बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग को लेकर बाजार में सुगबुगाहट तेज है। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के हवाले से खबर है कि कंपनी इस साल अपना आईपीओ लाने पर विचार कर रही है, जो भारत के कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ साबित हो सकता है। खबर है कि रिलायंस जियो अपनी 2.5प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। यदि यह आईपीओ बाजार में

आता है, तो इसकी वैल्यू चार अरब डॉलर (करीब 33,000 करोड़ रुपये से अधिक) से ज्यादा हो सकती है। यह आंकड़ा पिछले साल आए हुंडई मोटर इंडिया के 3.3 अरब डॉलर के आईपीओ को भी पीछे छोड़ देगा, जो अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ था। सूत्रों के मुताबिक, रिलायंस जियो केवल 2.5प्रतिशत शेयर लिस्ट करना चाहती है, लेकिन इसके लिए वह वित्त मंत्रालय की मंजूरी का इंतजार कर रही है। दरअसल, बाजार नियामक सेबी ने बड़ी कंपनियों के आईपीओ के लिए न्यूनतम हिस्सेदारी बिक्री की सीमा को 5प्रतिशत से घटाकर 2.5प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया है।

संक्षिप्त

पीएम बोले- अमेरिकी राष्ट्रपति ने 1 करोड़ जानें बचाईं, ट्रंप ने अलापा भारत-पाक संघर्ष रोकने का दावा

एजेंसी/अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बड़े संघर्ष को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। ट्रंप के

अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका दौरे के दौरान सार्वजनिक रूप से उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा था कि ट्रंप की पहल से कम से कम एक करोड़ लोगों की जान बची। व्हाइट हाउस में शीर्ष तेल और गैस कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात के दौरान मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण थे और हालात युद्ध की ओर बढ़ रहे थे। उन्होंने कहा, श्पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यहां आए और उन्होंने साफ कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत–पाकिस्तान संकट में न्यूनतम दस मिलियन जानें बचाईं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत–पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव में हालात इतने बिगड़ चुके थे कि दोनों देशों के आठ लड़ाकू विमान हवा में मार गिराए गए, लेकिन उनके हस्तक्षेप से परमाणु युद्ध जैसी स्थिति बनने से पहले ही मामला शांत हो गया। हालांकि, भारत ने इन दावों को लगातार खारिज किया है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि भारत–पाकिस्तान के बीच शांति किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से नहीं बल्कि सीधे दोनों देशों के सैन्य संवाद के जरिए हुई। डोनाल्ड ट्रंप ने इस दौरान नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह डींग नहीं हांकना चाहते, लेकिन इतिहास में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने उनसे ज्यादा युद्ध रुकवाए हों। ट्रंप का दावा है कि उन्होंने आठ बड़े युद्धों को समाप्त कराया, जिनमें कुछ संघर्ष 25 से 36 वर्षों से जारी थे। भारत के अनुसार, जम्मू–कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले (अप्रैल 2025) में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद 10 मई को पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय डीजीएमओ से संपर्क कर संघर्षविराम का अनुरोध किया, जिस पर दोनों पक्षों की सहमति बनी। भारत ने साफ किया है कि शांति प्रक्रिया पूरी तरह द्विपक्षीय थी और इसमें किसी विदेशी नेता या देश की भूमिका नहीं रही।

हस्तक्षेप के लिए तैयार रहें..., ईरान में अशांति के बीच पहलवी का ट्रंप को बड़ा संदेश

एजेंसी/ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच हालात तेजी से तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के आमने–सामने होने के बीच ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से सीधे हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने इसे तत्काल और जरूरी मामला बताते हुए कहा कि ईरान के लोग अपनी आजादी के लिए जान जोखिम में डालकर सड़कों पर हैं। रेजा पहलवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा संदेश जारी कर कहा कि ईरान में हालात बेहद गंभीर हैं। उनके मुताबिक, प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई जा रही हैं और पूरे देश में इंटरनेट व लैंडलाइन सेवाएं बंद कर दी गई

हैं। उन्होंने कहा कि यह संचार ब्लैकआउट सरकार द्वारा हिंसा छिपाने और प्रदर्शनकारियों को कुचलने की कोशिश है। इसी कारण उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप से तुरंत समर्थन और कार्रवाई की मांग की है।

पहलवी ने अपने संदेश में लिखा कि बीती रात दुनिया ने लाखों ईरानियों को सड़कों पर उतरते देखा, जो गोलियों का सामना कर रहे थे। आज हालात और भी बदतर हैं क्योंकि अब लोगों के पास न इंटरनेट है और न फोन लाइन। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई सत्ता बचाने के लिए हिंसक दमन की धमकी दे रहे हैं और ब्लैकआउट का इस्तेमाल युवाओं को मारने के लिए किया जा रहा है। निर्वासित युवराज ने कहा कि उन्होंने ईरान के लोगों से एक बार फिर सड़कों पर उतरने का आह्वान किया है। उनका कहना है कि भारी संख्या में लोग एकजुट होकर सुरक्षा बलों पर दबाव बना सकते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

पीएम मोदी ने ट्रंप को कॉल नहीं किया, ट्रेड डील पर अमेरिकी कॉमर्स मंत्री का नया दावा

एजेंसी/वाशिंगटन अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने भारत–अमेरिका ट्रेड डील को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से यह व्यापार समझौता इसलिए अटका हुआ है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात नहीं की। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के अटकने की वजह कोई नीतिगत मतभेद नहीं बल्कि पीएम मोदी का ट्रंप को सीधे फोन न करना है। एक इंटरव्यू में लटनिक ने दावा किया कि व्यापार समझौते की पूरी रूपरेखा तैयार थी, लेकिन उसे अंतिम रूप देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात करनी थी। उनके मुताबिक, भारत सरकार इसके लिए सहज नहीं थी और आखिरकार यह कॉल नहीं की गई। लटनिक ने कहा कि पूरी डील तैयार थी। लेकिन साफ बात यह है कि यह ट्रंप की डील थी। वही इसे अंजाम तक पहुंचाते हैं। बस मोदी को राष्ट्रपति को फोन करना था। वे इसके लिए असहज थे। मोदी ने कॉल नहीं की। हमने इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम के साथ व्यापार समझौते किए। हमें उम्मीद थी कि भारत के साथ समझौता इनसे पहले हो जाएगा। ट्रंप का ईगो हर्ट हुआ और रुक गई डील अमेरिकी वाणिज्य सचिव के इस बयान से आधिकारिक तौर पर सामने आ गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के खिलाफ टैरिफ को लेकर सख्त बयानबाजी व्यापार या नीतियों को लेकर नहीं कर रहे बल्कि यह उनके अहंकार से जुड़ा है।

जिसे ठेस लग गई है।पीएम मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया और फिर ट्रंप का ईगो हर्ट हो गया। इसकी कीमत भारत को 50 प्रतिशत तक के भारी–भरकम टैरिफ के रूप में चुकानी पड़ी। ट्रंप अब भारत के खिलाफ और अधिक टैरिफ बढ़ाने की बात भी कह ही चुके हैं। लटनिक ने यह भी कहा कि जिन शर्तों पर भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता लगभग तय माना जा रहा था, वे अब लागू नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका उस व्यापार समझौते से पीछे हट चुका है, जिस पर पहले सहमति बनी थी। अब हम उस पर विचार नहीं कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी 2025 में सत्ता में आने के बाद से दुनिया के देशों पर टैरिफ की घोषणा कर दी। ट्रंप ने भारत पर भी 25: टैरिफ लगाया। पिछले साल फरवरी में पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप इस बात पर सहमत हुए कि दोनों देशों के बीच एक ट्रेड डील हो। इसके बाद भारत–अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर वार्ता शुरू हुई। रूसी तेल की खरीद से नाराज ट्रंप ने भारत पर टैरिफ बढ़ाकर 50: कर दिया है। माना जा रहा है कि अगर ट्रेड डील हो जाती है तो भारत को टैरिफ में राहत मिलेगी। इस ट्रेड डील के तहत द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत–अमेरिका के बीच फिलहाल 191 अरब डॉलर का व्यापार होता है।

ईरान में क्यों सुप्रीम लीडर खामेनेई की तस्वीर से सिगरेट जला रहीं युवतियां, बनीं आंदोलन का चेहरा

एजेंसी/ईरान की जनता सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली

खामेनेई के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ सड़कों पर हैं। बढ़ती महंगाईए खराब अर्थव्यवस्था और गिरते मुद्रा के स्तर के बाद ईरानी लोगों ने प्रशासन के खिलाफ खोर्चा खोला हुआ है। ईरान के सभी प्रांतों में विरोध के स्वर तेज हैं। हिंसक प्रदर्शनों की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस बीच ईरान में जारी आंदोलन का एक नया चेहरा भी सामने आया हैए जहां युवतियां खामेनेई की जलती हुई तस्वीरों से सिगरेट जलाती नजर आ रही हैं। इस्लामिक गणराज्य ईरान में खामेनेई की धार्मिक सरकार के खिलाफ लोगों में भारी रोष है। वहीं मौतों की संख्या बढ़ने के साथ ही विरोध प्रदर्शन और भी हिंसक होते जा रहे हैं। इस बीच देश में इंटरनेट और टेलीफोन सेवा पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। ये विरोध प्रदर्शन दिसंबर के अंत में शुरू हुए और देश में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से चली आ रही धार्मिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो की श्अमर उजालाश् स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है। तमाम वायरल हुए वीडियो में ईरानी महिलाओं को सर्वोच्च नेता की तस्वीरों को जलाकर सिगरेट जलाते हुए देखा जा सकता है। इसी के साथ तेहरान से सामने आए कुछ अपुष्ट वीडियो में कथित तौर पर महिलाओं को हिजाब जलाते हुए भी देखा गया है। खामेनई से जलती तस्वीरों से महिलाओं का सिगरेट जलाना हो या फिर विरोध प्रदर्शनों की आग में अपने हिजाब का श्स्वाहश् करना। महिलाओं का यह साफ संकेत है कि वो धार्मिक सरकार की पाबंदियों से आजादी चाहती हैं।

आंदोलन कुचलने के लिए खामेनेई की सेना ने बरसाई गोलियां! डॉक्टर का दावा- केवल तेहरान में 217 मौत

ईरान में खामेनेई सत्ता के खिलाफ चल रहा प्रदर्शन भारी हिंसक होता जा रहा है। शुक्रवार से पूरे देश में इंटरनेट और कॉल सेवा पूरी तरह से बंद है। इस बीच तेहरान के एक डॉक्टर ने डरा देने वाला खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया है कि सिर्फ तेहरान के छह अस्पताल में अब तक 217 मौतें दर्ज की जा चुकी है।

एजेंसी/ईरान में सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन शनिवार (10 जनवरी) को 13वें दिन में जा पहुंचा है। खराब अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई के बीच जनता सड़कों पर उतर चुकी है और खामेनेई प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रही है। इस बीच देश में जारी सरकार विरोधी आंदोलन को लेकर हैरान कर देने वाला दावा सामने आया है। एक ईरानी डॉक्टर ने दावा करते हुए कहा है कि सिर्फ तेहरान में 217 मौतें हुई हैं। ईरान से मिली रिपोर्टों के अनुसार विरोध प्रदर्शन अब देश के सभी 31 प्रांतों में फैल चुका है। टाइम पत्रिका की एक रिपोर्ट में तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से नाम न छापने की शर्त पर बताया गया है कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई है। डॉक्टर का दावा है कि तेहरान में 200 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए हैं। टाइम पत्रिका को तेहरान के एक डॉक्टर ने बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकतर की जान सुरक्षा बलों की तरफ से की गई गोलीबारी में गई है। डॉक्टर ने ईरानी अधिकारियों के डर से नाम न छापने की शर्त पर यह बड़ी जानकारी साझा की। हालांकि टाइम पत्रिका ने इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है। ऐसे में अगर मौतों के यह आंकड़े सही है तो ईरानी सरकार का आंदोलन को कुचलने के लिए खौफनाक चेहरा सामने आया है। इधर, देश में इंटरनेट और फोन सेवा लगभग पूरी तरह बंद कर हो चुकी है। इंटरनेट स्वतंत्रता पर नजर रखने वाली संस्था नेटब्लॉक्स ने शासन की तरफ से लागू किए गए इंटरनेट प्रतिबंधा का दस्तावेजीकरण किया। संस्था ने बताया कि राष्ट्रव्यापी इंटरनेट बंद किए हुए अब 24 घंटे हो चुके हैं और कनेक्टिविटी सामान्य स्तर के 1: पर स्थिर है। यह जारी डिजिटल ब्लैकआउट ईरानियों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है और शासन की हिंसा को छुपाता है। इससे पहले शुक्रवार को देश में व्याप्त अशांति के बीच सर्वोच्च नेता खामेनेई ने ट्रंप को अमेरिका की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की नसीहत दी है। खामेनेई ने देश को संबोधित करते हुए कहा था कि प्रदर्शनकारी दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपनी देश को बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई ने साफ कहा है कि देश विदेशियों के भाड़े के सैनिकों को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी के साथ प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भी संकेत दिया।

चीन वाली कहानी झूठी, सबसे बड़ा खतरा ट्रंप है, ग्रीनलैंड पर ट्रंप की धमकी के बाद बोले डेनमार्क के सांसद

एजेंसी/ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों पर डेनमार्क में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। डेनमार्क की कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद रासमस जारलोव ने अमेरिका के रुख को न सिर्फ परेशान करने वाला बल्कि पूरी तरह अस्वीकार्य करार दिया है। रासमस जारलोव ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे सहयोगी देश द्वारा सैन्य कार्रवाई की धमकी दी जा रही है। उन्होंने कहा, श्यह अभूतपूर्व है कि आप अपने ही मित्र देशों को धमकाएं ऐसे देशों को, जिन्होंने कभी आपके खिलाफ कुछ नहीं किया और हमेशा वफादार रहे। डेनिश सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर डेनमार्क जैसे देश को इस तरह की आक्रामक भाषा का सामना करना पड़ सकता है, तो यह दुनिया के अन्य देशों के लिए भी खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा श्अगर डेनमार्क सुरक्षित नहीं है, तो फिर कोई भी देश सुरक्षित नहींश। ग्रीनलैंड के संदर्भ में यारलोव ने ट्रंप के तर्कों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि ग्रीनलैंड की ओर से न तो कोई खतरा है और न ही किसी प्रकार की शत्रुता। उन्होंने जोड़ा "ग्रीनलैंड के मामले में किसी भी तरह का बहाना नहीं बनता, न कोई धमकी है, न दुश्मनी। चीन को लेकर किए जा रहे दावों पर भी रासमस जारलोव ने सवाल उठाए। उनके अनुसार, ग्रीनलैंड में चीन की मौजूदगी लगभग नगण्य है। उन्होंने कहा कि वहां न तो चीन का कोई दूतावास है, न खनन गतिविधियां, न स्वामित्व और न ही कोई सैन्य ठिकाना। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रीनलैंड को लेकर चीन से खतरे की बात एक मनगढ़ंत कहानी है। यारलोव ने यह भी याद दिलाया कि अमेरिका को पहले से ही ग्रीनलैंड में सैन्य पहुंच प्राप्त है, लेकिन उसने खुद ही अपनी मौजूदगी को बड़े पैमाने पर कम किया है। कभी जहां अमेरिकी सैनिकों की संख्या करीब 15,000 थी, अब वह घटकर केवल 150 रह गई हैकृयानी लगभग 99 प्रतिशत की कटौती। गौरतलब है कि ट्रंप ने कहा कि वह ग्रीनलैंड को आसान तरीके से पाना चाहते हैं, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो कठिन रास्ता भी अपनाया जाएगा। उनका दावा है कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद अहम है, क्योंकि वहां खनिज संसाधन हैं और आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की सैन्य गतिविधियां बढ़ रही हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका ने कदम नहीं उठाया तो रूस या चीन ग्रीनलैंड पर प्रभाव जमा सकते हैं,

मान जाए तो ठीक वरना ताकत से होगा कब्जा, ग्रीनलैंड को हथियाने के लिए ट्रंप की खुली धमकी

एजेंसी/अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है। इस बार निशाने पर है आर्कटिक क्षेत्र का स्वायत्त द्वीप ग्रीनलैंड। व्हाइट हाउस में तेल और गैस उद्योग के शीर्ष अधिकारियों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर कुछ न कुछ करेगा, चाहे वहां के लोग या डेनमार्क सहमत हों या नहीं। ट्रंप ने कहा कि वह ग्रीनलैंड को आसान तरीके से पाना चाहते हैं, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो कठिन रास्ता भी अपनाया जाएगा। उनका दावा है कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद अहम है, क्योंकि वहां खनिज संसाधन हैं और आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की सैन्य गतिविधियां बढ़ रही हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका ने कदम नहीं उठाया तो रूस या चीन ग्रीनलैंड पर प्रभाव जमा सकते हैं, जो अमेरिका के लिए खतरा होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी भी हालत में रूस

या चीन को पड़ोसी नहीं बनने देगा। ट्रंप के अनुसार, जब अमेरिका किसी क्षेत्र का मालिक होता है, तो उसकी रक्षा भी पूरी ताकत से करता है। डेनमार्क और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने ट्रंप के बयानों पर हैरानी और चिंता जताई है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने चेतावनी दी कि ग्रीनलैंड पर किसी भी तरह का हमला नाटो और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी सुरक्षा व्यवस्था को खत्म कर देगा। गौरतलब है कि अमेरिका की ग्रीनलैंड में पहले से एक सैन्य बेस मौजूद है। ट्रंप ने हालांकि डेनमार्क की तारीफ भी की और कहा कि वह देश के प्रशंसक हैं, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि "500 साल पहले वहां नाव उतार देने से जमीन की मालिकाना हक साबित नहीं होता। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो अगले हफ्ते डेनमार्क के विदेश मंत्री और ग्रीनलैंड के प्रतिनिधियों से मुलाकात करने वाले हैं। ईरानी हुकूमत को भी दिया सख्त संदेश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी हालात पर कड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान बड़ी मुश्किल में है और लोग उन शहरों पर कब्जा कर रहे हैं, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरानी सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर हिंसा की, तो अमेरिका हस्तक्षेप करेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका हालात पर लगातार नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीधे हमसे डील करनी है, वेनेजुएला से नहीं, दुनिया की दिग्गज तेल कंपनियों के सामने दादागिरी पर उतरे ट्रंप

एजेंसी/वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने ऊर्जा कूटनीति में बड़ा दांव चला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दुनिया की दिग्गज तेल–गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर साफ कर दिया कि वेनेजुएला में निवेश अब सीधे अमेरिका के साथ होगा, न कि वेनेजुएला सरकार के साथ। ट्रंप ने सुरक्षा की गारंटी देते हुए तेल उद्योग को बड़े निवेश के लिए खुला न्योता दिया। ट्रंप ने ये भी कहा कि अगर अमेरिका ने समय रहते कार्रवाई नहीं की होती, तो चीन या रूस वेनेजुएला में अपनी मजबूत मौजूदगी बना चुके होते।व्हाइट हाउस में हुई बैठक में ट्रंप ने कहा कि निवेशक वेनेजुएला में "पूरी सुरक्षा और स्थिरता" के साथ काम करेंगे। उनका कहना था कि अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं और कंपनियां अमेरिका के साथ सीधे सौदे करेंगी। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि दशकों पहले अमेरिका ने अपनी तकनीक और पूंजी से वेनेजुएला का तेल उद्योग खड़ा किया था, जिसे बाद में छीन लिया गया। अब अमेरिका उन परिसंपत्तियों को फिर से मजबूत करेगा। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी तेल कंपनियां सरकारी नहीं, बल्कि अपना पैसा लगाकर कम से कम 100 अरब डॉलर का निवेश करेंगी। यह निवेश वेनेजुएला के तेल ढांचे और उत्पादन क्षमता को दोबारा खड़ा करने के लिए होगा। उनके मुताबिक, इससे पश्चिमी गोलार्ध की दो बड़ी ऊर्जा शक्तियों की अर्थव्यवस्थाएं और गहराई से जुड़ेंगी।

बैठक में मौजूद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि यह अभियान अमेरिका को अधिक समृद्ध, शक्तिशाली और सुरक्षित बनाएगा। उनका दावा था कि इससे अमेरिका में ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों में भी कमी आएगी। ट्रंप ने मीडिया से कहा कि वेनेजुएला जाने वाली कंपनियों को सुरक्षा की पूरी गारंटी दी जाएगी। ट्रंप ने अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के नेतृत्व को लेकर कहा कि फिलहाल वे अमेरिका के सहयोगी नजर आ रहे हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि अमेरिका नहीं चाहता कि रूस और चीन वेनेजुएला में प्रभाव बढ़ाएं।

इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका वहां लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभाएगा। यह बैठक उस पृष्ठभूमि में हुई है, जब हाल ही में अमेरिकी कार्रवाई में निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पिटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।